मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 45
भोपाल, मंगलवार
01 अप्रैल 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

03 आज से लागू हुई पॉलिसी, माल वाहन भी ईवी में बदलेंगे

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 10 लोगों की मौत

नई दिल्ली। गुजरात के बनासकांठा जिले के डीसा कस्बे में आज एक पटाखा फैक्ट्री में आग लग जाने से 10 लोगों की मौत हो गई। डीसा ग्रामीण पुलिस थाने के निरीक्षक विजय चौधरी ने बताया कि कस्बे के निकट स्थित फैक्ट्री में आग लगने के बाद हुए सिलसिलेवार विस्फोटों के कारण उसके कुछ हिस्से ढह जाने से कई श्रमिक फंस गए। वहीं बनासकांठा कलेक्टर मिहिर पटेल ने कहा, आज सुबह हमें डीसा के औद्योगिक क्षेत्र में एक बड़े विस्फोट की सूचना मिली। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। घटनास्थल पर ही 10 मजदूरों की मौत हो गई। कई घायल मजदूरों को अलग-अलग अस्पतालों में रेफर किया गया। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि फैक्ट्री का स्लैब ढह गया।

छिंदवाड़ा आईजी सचिन अतुलकर को जबलपुर रेंज का अतिरिक्त प्रभार

भोपाल। पुलिस महानिरीक्षक जबलपुर जोन अनिल सिंह कुशवाह को सोमवार 31 मार्च 2025 को सेवानिवृत्ति हो गए। उनके स्थान पर छिंदवाड़ा के आईजी सचिन अतुलकर को जबलपुर रेंज का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसका आदेश भी जारी कर दिया गया है। आईपीएस सचिन अतुलकर एक अनुशासित, कर्मठ और कुशल पुलिस अधिकारी माने जाते हैं, जिन्होंने अपने कार्यकाल में विभिन्न रेंजों में प्रभावी पुलिसिंग का परिचय दिया है। उनकी नेतृत्व क्षमता और रणनीतिक दृष्टिकोण के चलते, जबलपुर जोन में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलने की संभावना जताई जा रही है।

12 लाख टैक्स छूट का नियम आज से लागू

नई दिल्ली। बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मिडिल क्लास को बड़ी राहत देते हुए इनकम टैक्स नियम में बदलाव करने का ऐलान किया था। उन्होंने 12 लाख रुपये तक की सलाना कमाई वाले टैक्सपेयर्स को इनकम टैक्स भुगतान की कैटगरी से बाहर कर दिया। यानी कि अगर कोई व्यक्ति 12 लाख रुपये की सालाना कमाई करता है तो उसे 1 भी रुपये का टैक्स नहीं देना होगा। पहले न्यू टैक्स रिजीम के तहत यह लिमिट 7 लाख रुपये थी। वहीं स्टैंडर्ड डिडक्शन 75000 रुपये को भी शामिल किया गया, जो सैलरीड एम्प्लाई पर लागू होगा। यानी वेतनभोगी या सैलरीड कर्मचारियों को 12.75 लाख की कमाई पर एक भी रुपये का टैक्स नहीं देना होगा। ये नियम नए वित्त वर्ष 2026 यानी आज 1 अप्रैल 2025 से लागू हो रहा है।

अंतर्मना उवाच

अंतर्मना ससंघ का निरंतर अष्टापद बद्रीनाथ धाम के लिए चल रहा मंगल पदविहार

जब सहन करने की शक्ति ख़त्म हो जाती है.. तब क्रोध का गुबार फूट पड़ता है..!

*यदि रास्ते में दो आदमी लड़ झगड़ रहे हों और आप कितने ही जरूरी काम से जा रहे हैं, तो भी आपका मन खड़े होकर सुनने और देखने का करता है। **क्यों..?** दो व्यक्तियों के वाद विवाद को देखकर, तुम्हारे भीतर जो क्रोध का वेग दबा है वह जाग्रत हो जाता है। क्योंकि **जो क्रोध का वेग हमने अपने भीतर दबा कर रखा है, उसे निकलने का मौका मिल जाता है और ना मिले तो हम व्यक्तिगत उस वेग को निकालने की कोशिश करते हैं।** इसलिए घर परिवार में बात-बात पर लड़ाई झगड़े हो जाते हैं। **सब भीतर से भरे बैठे हैं, सिर्फ आप उनको एक मौका दो भीतर भरे गुबार को निकालने का।***

*जब तक मनुष्य के मन में क्रोध, कषाय, मान, अहंकार, विषय वासना दबी है या भरी है,, तब तक मनुष्य के मन में अमन चैन नहीं आ सकता। दरअसल **आज का आदमी भीतर से कुण्ठित होता जा रहा है।** अपने मन की इच्छाओं को दमित करते जा रहा है। यही वजह है कि वह अपनी विकृतियों से मुक्त नहीं हो पा रहा है। ना सुख, ना शांति, ना आनंद का जीवन जी पा रहा है।*

आदमी सिर्फ आदतन जिंदगी जी रहा है,, इसके अलावा कुछ नहीं...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

मध्यप्रदेश के स्कूलों में आज से स्कूल चलें हम अभियान- 2025 का आगाज

सीएम राइज स्कूलों का नाम अब सांदीपनि स्कूल होगा

सीएम बोले- यह नाम अंग्रेजों के जमाने का लगता है

भोपाल के शासकीय नवीन उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय अरेरा कॉलोनी में राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव में पहुंचे सीएम

सीएम ने स्कूल प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में बच्चों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश के स्कूलों में आज एक अप्रैल से स्कूल चलें हम अभियान- 2025 का आगाज होने जा रहा है। ऐसे में भोपाल के शासकीय नवीन उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय अरेरा कॉलोनी (ओल्ड कैंपियन) में राज्य स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य के सभी सीएम राइज स्कूलों का नाम बदलकर सांदीपनि स्कूल रखने की घोषणा की। सीएम ने कहा कि सीएम राइज स्कूल का नाम ऐसा लगता था जैसे अंग्रेजों के जमाने का हो, इसलिए इसे बदलकर सांदीपनि ऋषि के नाम पर किया गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि शिक्षा किसी भी परिस्थिति में बाधित नहीं होनी चाहिए। सरकारी स्कूलों की शिक्षा भी किसी से कमतर नहीं है। सरकारी स्कूलों में पढ़कर भी कई महान व्यक्तित्वों ने विश्वभर में भारत का नाम रोशन किया है। छात्रों को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने और कड़ी मेहनत के माध्यम से सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्कूल चले हम अभियान अंतर्गत स्कूल प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में बच्चों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में सीएम के अलावा जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य कुमार काश्यप भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के लाइव प्रसारण की व्यवस्था भी की गई थी।

नव प्रवेशी विद्यार्थियों का किया स्वागत

कार्यक्रम में सबसे पहले, मुख्यमंत्री डॉ. यादव नव प्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत किया। आगे राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न खेलों के प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान होगा। स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षा पोर्टल 3.0 का शुभारंभ भी होगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।

राज्यभर में शैक्षणिक सामग्री समय पर बांटी गईः मंत्री सिंह

कार्यक्रम में मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि इस साल 1 अप्रैल से, जब छात्र अपने विद्यालय में प्रवेश करेंगे, तो शासन द्वारा दी जाने वाली किताबें उनके बैग में पहले से उपलब्ध होंगी। यह पहली बार हुआ है कि पूरे राज्य के प्रत्येक जिले में शैक्षणिक सामग्री समय पर वितरित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा, व्यवसायिक कौशल और आत्मनिर्भर बनने के अवसर मिलेंगे। उनके मार्गदर्शन में प्रदेश में पहली बार शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचार हो रहे हैं।

मोहन यादव कैबिनेट में कई प्रस्तावों को मिली मंजूरी

22 साल बाद मप्र में चलेंगी सरकारी बसें, कैबिनेट में लगी मुहर

अब 7वें वेतनमान के अनुसार कर्मचारियों को भत्ते दिए जाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आज कैबिनेट बैठक हुई। मंत्री कैलाश कैलाश विजयवर्गीय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट में सीएम राइज स्कूल के नाम बदलने के प्रस्ताव पर मुहर लगी है। अब सांदीपनि स्कूल के नाम से जाएगा।

इसके अलावा परिवहन नीति को लेकर मंजूरी मिली है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत अब सरकार बसें नहीं खरीदेगी, बल्कि पीपीपी मॉडल के तहत प्राइवेट ऑपरेटर्स से बसें चलाई जाएंगी। होल्डिंग कंपनी बनाकर बसों का संचालन किया जाएगा। आईटी सिस्टम लागू कर टिकट व्यवस्था सख्त की जाएगी, जिससे टिकट चोरी पर रोक लगेगी। कार्गो सेवा भी शुरू की जाएगी। यात्रियों और ऑपरेटरों की सुविधा के लिए मोबाइल ऐप और मॉनिटरिंग डैशबोर्ड उपलब्ध होगा। इसके जरिए यात्री ऑनलाइन टिकट बुकिंग कर सकेंगे। प्राइवेट ऑपरेटर मामूली कमीशन देकर सरकारी ई-टिकटिंग सिस्टम का उपयोग कर सकेंगे। राज्य सरकार बस ऑपरेटरों की आय बढ़ाने के लिए कार्गो सेवाओं को भी जोड़ेगी। इससे ई-कॉमर्स कंपनियां बसों के जरिए अपने उत्पादों की डिलीवरी कर सकेंगी, जिससे लागत में कमी आएगी। प्रदेश के हर जिले में बस डिपो बनाए जाएंगे, जहां बसों की पार्किंग और ऑपरेटरों के लिए ऑफिस जैसी सुविधाएं होंगी। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश सड़क परिवहन निगम 2003 में बंद कर दिया गया था।

इन प्रस्तावों को भी स्वीकृति

- सीएम राइज स्कूल का नया नाम - अब इसे संदीपनि स्कूल के नाम से जाना जाएगा।
- स्कूल की डिजाइन में भगवान श्रीकृष्ण की छवि शामिल की जाएगी।
- 85 लाख छात्रों को अप्रैल माह में नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित की जाएंगी।
- कामकाजी महिलाओं के हॉस्टल के लिए केंद्र सरकार से 224 करोड़ रुपये मिले हैं।
- उद्योगिक क्षेत्रों में महिला हॉस्टल बनाए जाएंगे।
- 5,000 महिलाओं के लिए हॉस्टल सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।
- अब 7वें वेतनमान के अनुसार भत्ते दिए जाएंगे, जबकि पहले 6वें वेतनमान के आधार पर भत्ता मिलता था।

झारखंड के साहिबगंज में बड़ा ट्रेन हादसा

दो मालगाड़ियों की टक्कर में लोको पायलट समेत 3 की मौत

नई दिल्ली। झारखंड के साहिबगंज में एक बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। यहां दो मालगाड़ियों की जोरदार टक्कर हुई, जिसके चलते लोको पायलट समेत 3 लोगों की मौत हो गई। हादसे में सीआईएसएफ के चार जवानों के घायल होने की भी खबर है। एक ट्रेन बरहेट में खड़ी थी, तभी कोयले से लदी मालगाड़ी के तेजी से खड़ी ट्रेन में टक्कर मारने पर हादसा हो गया। टक्कर के बाद उन ट्रेनों के इंजनों में भीषण आग भी लग गई। जानकारी के मुताबिक, फरक्खा के लालमटिया जा रही मालगाड़ी बरहेट में खड़ी थी, तभी लालमटिया से कोयला लेकर फरक्का जा रही मालगाड़ी ने उसमें टक्कर मार दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया कि मालगाड़ी की टक्कर इतनी ज्यादा जोरदार थी कि दोनों के ही इंजनों के परखच्चे उड़ गए।

नोएडा का शॉपिंग कॉम्पलेक्स में भीषण आग

रस्सी के सहारे लटक कर उतरे लोग, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली। नोएडा के सेक्टर 18 के शॉपिंग कॉम्पलेक्स में मंगलवार को आग लग गई। यह आग कृष्णा अपरा प्लाजा के ग्राउंड फ्लोर में लगी है। आग लगने के बाद चारों ओर चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि शॉपिंग कॉम्पलेक्स के भीतर फंसे लोगों ने बचने के लिए शीशे तोड़ दिए। इस घटना के कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें लोग चौथी मंजिल से रस्सी के जरिए नीचे उतर रहे हैं। अभी आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। इस कॉम्पलेक्स में कई कंपनियों के दफ्तर हैं। आग लगने के बाद ग्राउंड फ्लोर पर काम करने वाले बाहर निकलने में सफल रहे। लेकिन ऊपरी मंजिलों पर मौजूद लोग फंस गए। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

रेप मामले में मोहाली कोर्ट ने सुनाई सजा

पादरी बजिंदर सिंह को उम्रकैद पूरी जिंदगी अब जेल में रहेगा

चंडीगढ़। पंजाब के मोहाली के जीरकपुर की महिला के साथ दुष्कर्म मामले के आरोपी पादरी बजिंदर सिंह को मोहाली की अदालत ने ताउम्र कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट से दोषी करार दिए जाने के बाद पुलिस ने पास्टर को हिरासत में ले लिया था। वह पटियाला जेल में बंद है।

पीड़िता के वकील एडवोकेट अनिल सागर ने बताया कि बजिंदर सिंह एक आध्यात्मिक नेता के रूप में लोकप्रिय है। उनके अनुयायी उन्हें पापा जी कहकर बुलाते थे। जब इस तरह का अपराध ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाता है, तो उसे कठोर सजा मिलनी चाहिए। हम सजा की अवधि से संतुष्ट हैं। उसे अपनी आखिरी सांस तक सलाखों के पीछे रहना होगा। महिला से दुष्कर्म के मामले में नामजद पादरी बजिंदर सिंह सोमवार को अदालत में पेश हुआ था।

भारतीय हॉकी के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेले

हॉकी की स्टार खिलाड़ी वंदना कटारिया ने लिया संन्यास

नई दिल्ली। वंदना कटारिया ने इंटरनेशनल हॉकी को अलविदा कह दिया है। भारत के लिए 320 मैच खेल चुकीं 32 साल की स्ट्राइकर वंदना ने भारतीय महिला हॉकी के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेले हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने 15 साल के सुनहरे करियर के शिखर पर विदा ले रही हैं। 2009 में सीनियर टीम में पदार्पण करने वाली कटारिया टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम का हिस्सा थीं, जिसमें उन्होंने हैट्रिक भी लगाई। ऐसा करनी वाली वह पहली और इकलौती भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। हरिद्वार के रोशनाबाद की रहने वाली कटारिया ने फरवरी में भुवनेश्वर में एफआईएच प्रो लीग में भारत के लिए आखिरी मैच खेला। वंदना ने कहा ,'आज भारी, लेकिन कृतज्ञ मन से मैं अंतरराष्ट्रीय हॉकी से विदा ले रही हूं।

इबादत में सियासतः मोदी विरोध में काली पट्टी व फिलिस्तीन के झंडे का क्या औचित्य

वक्फ बिल के विरोध की आड़ में बवाल मचाने की तैयारी तो नहीं?

विशेष टिप्पणी
सुरेन्द्र शर्मा

मुसलमानों को इस देश से जरा भी खतरा नहीं है परन्तु कुछ कट्टरपंथी सोच रखने वाले लोग देश के लिये खतरा जरुर बन गये हैं। दरअसल इन कट्टरपंथी सोच रखने वाले तथाकथित मौलानाओं ने मोदी सरकार के खिलाफ बड़े स्तर पर एजेन्डा चलाने का ठेका ले रखा है। इन्हीं मौलानाओं के बहकावे में आकर पूरी कौम गुमराह हो रही है। इबादत में सियासत का ऐसा नफरती खेल खेला गया कि काली पट्टी बांध कर ईद की नमाज पढ़ने के लिये मुसलमानों को मजबूर होना पड़ा यही नहीं नमाज के बाद एक रणनीति के तहत फिलिस्तीन का झंडा लहराया गया। अब स्वाभाविक है कि यहां दूसरे मुल्क का झंडा लहराया जायेगा तो फिर भारतीय कानून का डंडा भी चलेगा ही।

भाजपा शासित चार राज्यों के शहरों में फिलिस्तीन का झंडा लहराया गया। काली पट्टी वक्फ बिल का विरोध और इजराइल द्वारा फिलिस्तीन में हमला किये जाने के विरोध में झंडा लहराना बताया गया है। पर सच्चाई यह है कि नरेन्द्र मोदी सरकार और भाजपा के प्रति जो खीझ है उसे इस बहाने प्रदर्शित किया जा रहा है। चीन में मुसलमानों को नमाज नहीं पढ़ने दिया जाता है। उन पर बेतहाशा जुल्म किये जाते हैं पर चीन के खिलाफ कभी भी प्रोटेस्ट की ताकत मौलानाओं में नहीं रही, सीरिया, बलूचिस्तान, तुर्की में सरेआम मुसलमानों द्वारा मुसलमानों का कत्ल किया जाता है पर कौम के हम दर्द कुछ नहीं कर पाते लेकिन इन्हें तो भारत के टुकड़े पर पलते हुए भारत के खिलाफ ही नफरत फैलना है। भीड़, संख्या और बवाल के बहाने जो साजिश रची जा रही है वह सफल नहीं होगी क्योंकि यह राजीव गांधी की कांग्रेस नहीं बल्कि नरेन्द्र मोदी की एनडीए सरकार है। राजीव गांधी सरकार को शाहबानों प्रकरण के चलते झुका लिया गया था पर अब वक्फ बिल मामले में विरोधियों को ही झुकना पड़ेगा यह तय है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की घोषणा पर हुआ अमल

आज से मध्य प्रदेश के 19 स्थानों पर शराब दुकानें बंद

भोपाल। आज से प्रदेश के 19 धार्मिक नगरों एवं ग्राम पंचायतों में की गई शराब बंदी की घोषणा पर अमल शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इस घोषणा को 24 जनवरी 2025 को लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर में हुई केबिनेट ने मंजूरी दी थी। निर्णय अनुसार उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, मण्डलेश्वर, ओरछा, मैहर, चित्रकूट, दतिया, पन्ना, मण्डला, मुलताई, मंदसौर और अमरकंटक की सम्पूर्ण नगरीय सीमा में एवं सलकनपुर, कुण्डलपुर, बांदकपुर, बरमानकलां, बरमानखुर्द और लिंगा की ग्राम पंचायत सीमा में समस्त मदिरा दुकानों एवं बार को बंद किया जाएगा। प्रदेश के इन 19 नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों को पूर्णत: पवित्र घोषित करते हुए एक अप्रैल 2025 से पूर्ण शराब बंदी कर दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नशामुक्ति की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया गया।

संक्षिप्त समाचार

आज से महंगी हो गईं 1000 से ज्यादा दवाइयां

नई दिल्ली। देश के करोड़ों आम लोगों के लिए एक बुरी खबर आ रही है। आज यानी 1 अप्रैल से 900 से ज्यादा आवश्यक दवाइयों की कीमत 1.74 प्रतिशत बढ़ जाएंगी। इसके साथ ही, आम लोगों के दवाइयों का खर्च बढ़ जाएगा और बचत कम हो जाएगी। आज से महंगी होने वाली दवाओं में इंफेक्शन, डायबिटीज और हार्ट की दवाइयां भी शामिल हैं। बताते चलें कि भारत में आवश्यक दवाइयों की कीमत केंद्र सरकार की राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण तय करता है। आवश्यक दवाओं की कीमत में पिछले साल के थोक मूल्य सूचकांक को ध्यान में रखकर कटौती या बढ़ोतरी की जाती है।

एनपीपीए ने एक बयान में कहा, कैलेंडर ईयर 2023 की तुलना में साल 2024 के दौरान डब्ल्यूपीआई में (+) 1.74028 प्रतिशत का बदलाव दर्ज किया गया। दवा निर्माता इस डब्ल्यूपीआई के आधार पर अनुसूचित फॉर्मूलेशन के अधिकतम खुदरा मूल्य में बढ़ोतरी कर सकते हैं और इस संबंध में सरकार की पूर्व स्वीकृति की जरूरत नहीं होगी। सरकार के इस आदेश के बाद एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसिन की कीमत 11.87 (250 एमजी) और 23.98 रुपये (500 एमजी) प्रति टैबलेट होगी। एमोक्सिसिलिन और क्लैवुलैनिक एसिड के फॉर्मूलेशन वाले एंटीबैक्टीरियल ड्राई सिरप की कीमत 2.09 रुपये प्रति एमएल होगी। एसाइक्लोविर जैसे एंटीवायरल की कीमत 7.74 रुपये (200 मिलीग्राम) और 13.90 रुपये (400 मिलीग्राम) प्रति टैबलेट होगी। इसी तरह, मलेरिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन की कीमत 6.47 रुपये (200 मिलीग्राम) 14.04 रुपये (400 मिलीग्राम) प्रति टैबलेट होगी।

प्रधानमंत्री ओली ने नेपाल के पूर्व राजा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की दी चेतावनी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने आज काठमांडू में शुक्रवार को हुई हिंसक झड़प, आगजनी और दो लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाई हैं। ओली ने कहा कि पूर्व राजा अपने आपको संविधान और देश की कानून से ऊपर मानते हैं, जिसका उनको खामियाजा भुगतना पड़ेगा। संसद की प्रतिनिधि सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ओली ने सोमवार को कहा कि पहले वीडियो संदेश जारी करके शासन व्यवस्था बदलने के लिए आम लोगों को अपना समर्थन करने की बात करना और उसके बाद हजारों लोगों को सड़कों पर उतारकर अपने स्वागत में इकट्ठा करना कानूनन गलत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस संविधान के तहत उन्हें अभी भी पूर्व राष्ट्र प्रमुख की हैसियत से सभी सरकारी सुविधा और सुरक्षा दी जा रही है, उसी संविधान के खिलाफ वो लोगों को भड़का रहे हैं। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि शुक्रवार को काठमांडू में हुए हिंसा, आगजनी, लूटपाट, पत्रकार के जिंदा जलाने की घटना के लिए सिर्फ पूर्वराज ज्ञानेन्द्र ही जिम्मेदार हैं और उनको इसकी कीमत चुकानी होगी।

पांच साल बाद दिल्ली की आबोहवा हुई कुछ साफ

नई दिल्ली। इस साल दिल्ली में मार्च का महीना पिछले पांच सालों की तुलना में सबसे कम प्रदूषित रहा है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के मुताबिक साल 2025 मार्च के महीने में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक(एक्यूआई) 170 दर्ज किया गया, जो पिछले पांच साल में सबसे कम है। सोमवार को आयोग ने आंकड़े जारी कर बताया कि 2021, 2022, 2023 और 2024 के दौरान मार्च महीने का औसत एक्यूआई क्रमश : 223, 217, 170 और 176 रहा है। जनवरी-मार्च, 2025 की तिमाही के लिए दिल्ली का औसत एक्यूआई भी पिछले 5 वर्षों के दौरान सबसे अच्छा रहा है। इस तिमाही के दौरान औसत एक्यूआई 2025 में 231 रहा, जबकि 2024 में यह 250, 2023 में 240, 2022 में 241 और 2021 में 278 रहा था।

गाजा में इजराइल ने फिर बरसाए बम, नौ लोगों की मौत

गाजा पट्टी। इजराइल के सुरक्षा बलों की गाजा में की गई ताजा बमबारी में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। इस बीच फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने 15 आपातकालीन कर्मचारियों के शव बरामद किए हैं। इनके वाहनों पर एक सप्ताह पहले दक्षिणी गाजा में राफाह के पास गोलीबारी की गई थी। खबर के अनुसार, इजराइली सुरक्षा बलों ने सोमवार को भी हमला जारी रखा। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास को युद्धविराम के अंतिम चरण तक पहुंचने के लिए अपने हथियार डालने चाहिए। वह अपने लड़ाकों को गाजा से बाहर करे। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इजरायल के युद्ध में कम से कम 50,277 फिलिस्तीनियों की मौत की पुष्टि हुई है और 114,095 घायल हुए हैं।

अस्पताल ने नवजात की मौत बताई, 200 दिनों बाद मां ने बच्चे को जिंदा ढूंढ़ निकाला

हाजीपुर। ग्रामीण परिवेश की इस महिला के चेहरे या हाव-भाव देखकर आप सोच भी नहीं सकते कि इसने कितनी बड़ी लड़ाई जीती है। 200 दिन पहले उसके नवजात को अस्पताल ने मरा बता दिया। उसने उसके जिंदा होने के अपने यकीन को साबित कर दिखाया। कैसे? आज से 202 दिन पहले इस महिला ने अपनी पांचवीं संतान को जन्म दिया था। तीन बेटियों और एक बेटे के बाद इस बेटा का जन्म हुआ। जन्म के कुछ ही घंटे बाद अस्पताल के डॉक्टर ने नवजात की मौत की जानकारी दी। उसे इस बात पर यकीन नहीं था। अस्पताल ने उसे जिस तरह से भगाया, उससे शक गहरा गया। तब तो अस्पताल से चली गई, लेकिन अपनी सोच पर टिकी रही।

ताइवान के खिलाफ जंग की तैयारी! चीन ने दी खुलेआम धमकी; शुरू किया बड़ा सैन्य अभ्यास

बीजिंग ■ एजेंसी

चीन और ताइवान के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। चीन ने एक बार फिर ताइवान के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। चीन ने ताइवान पर अपनी संप्रभुता का दावा करने के लिए उसके आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया है। चीन की ओर से किए जा रहे इस सैन्य अभ्यास में उसके कई बलों ने हिस्सा लिया है। इस अभ्यास का मकसद ताइवान की च्व्उन ताकतों को कड़ी चेतावनी देना है जो स्वयं को स्वायत्त बताती हैं।

चाइनीज पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ईस्टर्न थिएटर कमांड के एक प्रवक्ता ने बताया कि कमान ने मंगलवार को ताइवान द्वीप के आसपास संयुक्त अभ्यास शुरू किया। थिएटर कमांड के प्रवक्ता सीनियर कर्नल शी यी ने सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के हवाले से कहा कि कमान ने अपनी थल सेना, नौसेना, वायुसेना और रॉकेट बलों को कई दिशाओं से ताइवान द्वीप के पास पहुंचने के लिए संगठित किया है।

शी के अनुसार, यह अभ्यास मुख्य रूप से समुद्री एवं हवाई युद्ध के लिए तैयारी गश्त, उत्कृष्ट संयुक्त अभ्यास, समुद्री और जमीनी लक्ष्यों पर हमले का अभ्यास और सैनिकों की संयुक्त अभियानगत क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए प्रमुख क्षेत्रों और समुद्री मार्गों पर केंद्रित हैं। शी ने कहा कि यह अभ्यास ताइवान की आजादी की समर्थक अलगाववादी ताकतों के खिलाफ एक सख्त चेतावनी है और चीन की संप्रभुता एवं राष्ट्रीय एकता की रक्षा के लिए एक वैध एवं आवश्यक कार्रवाई है।

इस बीच यहां यह भी बता दें कि, चीन ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का हिस्सा मानता है। चीन ने हाल के दिनों में इसी तरह के कई सैन्य अभ्यास किए हैं, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से सत्ता संभाली है उसके बाद से ताइवान के आसपास यह पहला बड़ा सैन्य अभ्यास है।

इसरो की सैटेलाइट तस्वीरों से हुआ खुलासा

भूकंप से म्यांमार को हुआ भारी नुकसान

बंगलुरू ■ एजेंसी

इसरो ने एक बयान में कहा है कि मेंडले और सेगेंग शहर में बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है। मेंडले में प्रमुख स्थल जैसे स्काइ विला, फेयानी पेगोडा, महामुनि पेगोडा और आनंद पेगोडा, मेंडले यूनिवर्सिटी और कई अन्य स्थानों को थोड़े से ज्यादा नुकसान हुआ है।

भारतीय अंतरिक्ष अनसुंधान संगठन (इसरो) ने कुछ तस्वीरें जारी की हैं, इन तस्वीरों में म्यांमार में आए भूकंप से हुई तबाही साफ देखी जा सकती है। ये तस्वीरें इसरो की धरती की निगरानी करने वाले सैटेलाइट कार्टोसेट-3 ने ली हैं। 28 मार्च को म्यांमार में आए भूकंप ने भारी तबाही की। इस तबाही में हजारों लोग मारे गए। ये तस्वीरें 29 मार्च को ली गईं, जिनमें म्यांमार के शहर मेंडले और सेगेंग के कुछ हिस्सों को दिखाया गया है। इसरो के उपग्रह कार्टोसेट-3 ने 18 मार्च को भी इन इलाकों की तस्वीरें लीं थी और 29 मार्च को ली गईं तस्वीरों में भूकंप की भयावहता देखी जा सकती है। कार्टोसेट-3 तीसरी पीढ़ी का आधुनिक उपग्रह है, जो जमीन पर हाई रेजोल्यूशन वाली तस्वीरें लेने में सक्षम है। इसरो ने एक बयान में कहा है कि मेंडले और सेगेंग शहर में बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है। मेंडले में प्रमुख स्थल जैसे स्काइ विला, फेयानी पेगोडा, महामुनि पेगोडा और आनंद पेगोडा, मेंडले यूनिवर्सिटी और कई अन्य स्थानों को थोड़े से ज्यादा नुकसान हुआ है। सेगेंग शहर में मा शी खाना पेगोडा समेत कई अन्य मोनेस्ट्रीज और अन्य इमारतों को भी भारी नुकसान हुआ है। इसरो की तस्वीरों से पता चला है कि भूकंप से म्यांमार के इन वा शहर में इरावेडी नदी पर बना ऐतिहासिक एवा पुल पूरी तरह से तबाह हो गया है। इरावेडी नदी के बाढ़ के मैदानों में भूकंप से जमीन में दरार भी आई है। म्यांमार में 28 मार्च को 7.7 तीव्रता के भूकंप के झटके लगे थे। इसके बाद 6.4 तीव्रता के भी झटके महसूस हुए। भूकंप का केंद्र मेंडले और सेगेंग शहरों की सीमा पर जमीन के 10 किलोमीटर भीतर था। भूकंप के चलते बुनियादी ढांचे, सड़कें और रिहायशी इमारतों को भारी नुकसान हुआ।

वक्फ विधेयक को लेकर बयानबाजी जारी

लोकसभा में कल पेश होगा वक्फ संशोधन विधेयक, 8 घंटे होगी चर्चा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर माहौल गर्म है। सरकार कल यानी 2 अप्रैल को दोपहर 12 बजे लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश करेगी। इस बीच वक्फ विधेयक को लेकर बयानबाजी जारी है और एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसे संविधान का उल्लंघन बताया। सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि वक्फ संशोधन विधेयक 2 अप्रैल को दोपहर 12 बजे लोकसभा में पेश किया जाएगा। कल विधेयक पर 6-8 घंटे चर्चा हो सकती है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा का इतिहास जिस तरह के फैसलों से भरा है, उससे जो परिणाम भाजपा चाहती थी वह नहीं आए। भाजपा का हर फैसला वोट के लिए होता है... समाजवादी पार्टी वक्फ बिल के खिलाफ है... वे(भाजपा) पूरा नियंत्रण अपने पास चाहते हैं... इस देश ने वह समय भी देखा है जब प्रशासन के गलत फैसले के कारण भारत की संस्कृति और भाईचारे के खिलाफ खाई पैदा की गई है... त्रस्ज्ञ हो, नोटबंदी हो या अन्य फैसले हों, वह(भाजपा) लोगों से कुछ न कुछ छीनने का काम करते हैं। वक्फ के माध्यम वह यह संदेश देना चाहते हैं कि अपना वोट बैंक ठीक कर लें। वह कहते थे कि हम(विपक्ष) तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं, क्या वे(भाजपा) ईद पर किट बांटकर तुष्टीकरण नहीं कर रहे हैं?

वक्फ संशोधन विधेयक पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, ये वक्फ बिल असंवैधानिक है। ये बिल अनुच्छेद 14,25,26,29 का गंभीर उल्लंघन है। ये वक्फ बिल नहीं है बल्कि ये वक्फ बर्बाद बिल है। ये सब इसलिए किया जा रहा है क्योंकि इसका एक ही मकसद है मुसलमानों से नफरत, जो बाते दूसरे समुदायों के लिए सही हैं वह यहां कैसे गलत हो सकती हैं?

क्फ संशोधन विधेयक पर सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा, इस देश में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाडने् के लिए योजना बनाई गई थी, इसे(वक्फ संशोधन बिल) बनाया गया और जल्दी और जबरदस्ती से इसे जेपीसी में पास करवाया गया।

गरीब मुसलमानों के लिए स्वप्न को पूरा करने जैसा

भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने वक्फ (संशोधन)विधेयक पर कहा, ...वक्फ गरीब मुसलमानों के लिए स्वप्न को पूरा करने जैसा है। यह उनकी बदहाली की अवस्था को ठीक करने वाला बिल है... इस बिल में किसी भी वक्फ की एक इंच जमीन को न तो सरकार ले रही है और न ही कोई और ले रहा है... किसी को भी न्यायालय में अपनी बात, अपना पक्ष रखने का अधिकार होगा, यदि कोई इस संशोधन का विरोध करता है तो मैं समझता हूं कि वे संविधान का विरोधी है और भीम राव अंबेडकर का विरोध करने वाला है।

स्कूल में भटककर आया भालू का बच्चा, स्टूडेंट ने खिलाया टिफिन में खाना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राजस्थान के कोटा में वनकर्मियों ने अपनी मां से बिछड़कर स्कूल में भटककर पहुंचे एक महीने के भालू के बच्चे को उसकी मां से मिला दिया है। रविवार को 6 दिन बाद अपनी मां से मिला तो इस दौरान शीशू भालू दौड़ता हुआ गया और मां की पीठ पर चढ़ गया। कोटा के उप वन संरक्षक अनुराग भटनागर ने सोमवार को इस हृदयस्पर्शी घटना का जिक्र करते हुए बताया कि भालू के बच्चे को पिछले सोमवार को शंभूपुरा के वरिष्ठ राजकीय विद्यालय के कर्मियों ने सौंपा था। चूंकि शावक को जंगल में छोड़ना जोखिम भरा था, इसलिए उसे

अभेड़ा जैविक उद्यान में आश्रय देने का निर्णय लिया गया तथा उसकी मां की तलाश के लिए कदम उठाए गए।

स्कूल में छात्रों को भालू का यह बच्चा घूमते हुए मिला था। बच्चों ने इसे टिफिन में खाना भी खिलाया था। इसके बाद वन्य जीव विभाग इसकी मां से मिलाने के लिए जतन करने में जुट गया था। भटनागर ने कहा, पशु चिकित्सक ने पाया कि बच्चा भालू स्वस्थ है। उसे जैविक पार्क में रखा गया, जहां वनकर्मियों ने उसकी स्थिति पर नजर रखी और उसे नियमित रूप से भोजन दिया।

इस बीच, वनपाल बुधराम जाट के नेतृत्व में एक अलग टीम को सोमवार से शनिवार तक हर रात शंभूपुरा के आसपास संभावित स्थानों पर मादा भालू की तलाश के लिए तैनात किया गया। मादा भालू को उसके बच्चे की ओर आकर्षित करने के लिए जंगल में ध्वनि रिकॉर्डिंग बजाई गई।

हालांकि, उसकी मां का पता लगाने के सभी प्रयास निरर्थक साबित हुए और विशेषज्ञों के सुझाव पर यह निर्णय लिया गया।

पूर्वोत्तर भारत पर यूनुस के बयान से भड़के सीएम हिमंता

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने एक बार फिर से भारत के बारे में ऐसा बयान दिया है जिससे विवाद शुरू हो गया है। दरअसल, यूनुस ने हाल ही में चीन की यात्रा की थी और वहां भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के बारे में टिप्पणी की थी। इसे लेकर भारत में मोहम्मद यूनुस की तीखी आलोचना हो रही है। वहीं, पूर्वोत्तर भारत के राज्य असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भी इस मुद्दे पर मोहम्मद यूनुस को निशाने पर लिया है। इसके साथ ही सीएम हिमंता ने भारत के लिए रणनीतिक रूप से अहम चिकन नेक गलियारे को लेकर भी बड़ा सुझाव दिया है।

मोहम्मद यूनुस ने चीन से अपील की है कि वह बांग्लादेश में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाए।

मलेशिया में गैस पाइप फटने से लगी भीषण आग, कई किलोमीटर तक उठीं ऊंची लपटें

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के निकट सेलंगोर राज्य के पुत्रा हाइट्स में मंगलवार को एक गैस पाइपलाइन के अंदर आग लगने से भीषण विस्फोट हो गया, जिसके बाद अधिकारियों ने आसपास के आवासीय क्षेत्रों को खाली कराने का आदेश दिया। आग लगने के कारण कई किलोमीटर तक ऊंची लपटें देखीं गईं। मध्य सेलंगोर राज्य के पुत्रा हाइट्स में एक गैस स्टेशन के पास लगी आग लगने की सूचना मिलते ही सेलंगोर के दर्जनों अग्निशमन कर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया। स्थानीय समाचार पत्र द स्टार ने अग्निशमन विभाग के निदेशक वान मोहम्मद रजाली वान इस्माइल के हवाले से बताया कि मौके पर मौजूद अग्निशमन कर्मियों ने आग लगने का कारण

पाइपलाइन का फटना बताया है। आग इतनी भयंकर थी कि कुछ निवासियों ने कहा कि उन्हें अपने घरों के दरवाजे और खिड़कियां हिलती हुई महसूस हुईं, ऐसा माना जाता है कि यह पहले हुए आग के विस्फोट के कारण हुआ था। दुर्घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें आग का एक विशाल बादल आसमान में उठता देखा जा सकता है।

एक अंग्रेजी अखबार के हवाले से अग्निशमन विभाग के निदेशक वान मोहम्मद रजाली वान इस्माइल ने कहा कि बचाव अभियान के लिए दर्जनों अग्निशमन कर्मियों को तुरंत भेजा गया। टीम ने आग का कारण फटी हुई पाइपलाइन को बताया। संचालन के सहायक निदेशक अहमद मुखलिस मुख्तार ने मलयमेल को बताया कि सुबह 8-10 बजे के आसपास संकट की सूचना मिली थी।

हिरासत में लिए गए बीजेपी विधायक

हैदराबाद यूनिवर्सिटी के पास बुलडोजर एक्शन से तनाव

हैदराबाद ■ एजेंसी

सेंट्रल यूनिवर्सिटी (एचसीयू) कैंपस में छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है। छात्र संघ ने मंगलवार से कक्षाओं का बहिष्कार करने और अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। इससे पहले आज बीजेपी विधायक पायल शंकर और महेश्वर रेड्डी को पुलिस ने हिरासत में लिया। इनका आज यूनिवर्सिटी कैंपस जाने का कार्यक्रम था।

बता दें कि रविवार को भी यूनिवर्सिटी कैंपस में उस समय हल्का तनाव पैदा हो गया जब पुलिस ने एक भूखंड को साफ करने के लिए मिट्टी हटाने वाली मशीनें लाए जाने का विरोध कर रहे कई छात्रों को हिरासत में ले लिया। प्रदर्शनकारी छात्रों को रविवार देर रात रिहा कर दिया गया था। इस घटना के बाद राजनीतिक विवाद पैदा हो गया है। तेलंगाना सरकार इस भूमि को विकसित करने की योजना बना रही है, जिसमें एक आईटी पार्क की स्थापना

भी शामिल है। कांचा गचीबोवली में 400 एकड़ का यह भूखंड हैदराबाद विश्वविद्यालय के नजदीक है। विश्वविद्यालय के कुछ छात्र और अन्य लोग पर्यावरण संरक्षण संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए भूमि की नीलामी के कथित प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं।

इससे पहले कल छात्रों ने बताया कि जब उन्होंने मौके पर बुलडोजर देखा तो वे वहां पहुंचे। कुछ लोग मशीनों पर चढ़ गए, पुलिस के खिलाफ नारे लगाए और मांग की कि वे च्वापस जाएं।ज् विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्हें हिरासत में लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कुल 53 छात्रों को एहतियातन हिरासत में लिया गया और बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारी छात्रों ने सरकारी अधिकारियों के काम में बाधा डाली, जबकि कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों पर भी हमला किया।

इस 400 एकड़ जमीन को तेलंगाना सरकार विकसित करने और वहां एक आईटी पार्क स्थापित करने की योजना बना रही है। कांचा गाचीबोवली में 400 एकड़ भूमि का ये टुकड़ा हैदराबाद विश्वविद्यालय की सीमा से सटा है। 19 जून, 2024 को तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम ने यहां पार्क और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भूमि का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा और सरकार की मंजूरी मांगी। जवाब में, राजस्व विभाग के राज्य प्रधान सचिव ने आधिकारिक तौर पर 24 जून, 2024 को भूमि के अधिकार को हस्तांतरित कर दिए। 1 जुलाई, 2024 को सेरिलिंगमपल्ली के राजस्व अधिकारियों ने पंचनामा के माध्यम से औपचारिक हस्तांतरण कर दिया।

लेकिन विश्वविद्यालय के छात्रों और कुछ अन्य वर्ग पर्यावरण संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस परियोजना से स्थानीय इकोसिस्टम पर असर पड़ेगा। वे दावा करते हैं कि सरकार पर्यावरणीय चिंताओं के लिए उन्हें आश्वस्त नहीं कर पाई है।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्कूल चले हम अभियान के शुभारंभ पर भोपाल के नवीन विद्यालय में विद्यार्थियों के साथ सेल्फ़ी ली। बच्चे काफ़ी खुश नजर आए, पारंपरिक वेशभूषा में दिखी छात्राएं ।

नवीन जल संरचनाओं के निर्माण के साथ पुरानी जल संरचनाओं का हो जीर्णोद्धार

जल संवर्धन के साथ उसका संरक्षण आज की महती आवश्यकता : मुख्यमंत्री

अभियान में अधिक से अधिक हो जन-भागीदारी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकतंत्र में जनता ही सरकार की सबसे बड़ी ताकत है। जनता को साथ लेकर प्रदेश के चहुँमुखी विकास की ओर हम आगे बढ़ रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट निर्माण में भी प्रदेश की जनता को जोड़ते हुए उनसे सुझाव आमंत्रित किये गये। प्रदेश में सभी प्रमुख त्यौहार भी प्रदेशवासियों को साथ लेकर मनाने की शुरूआत की गई है। अब 30 मार्च से प्रारंभ हुए राज्य स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान में भी जन-भागीदारी को प्राथमिकता के साथ जोड़ा गया है। जल संकट को दूर करने बारिश के जल को अधिक से अधिक संग्रहण करने 30 मार्च से प्रांत व्यापी ''जल गंगा संवर्धन'' अभियान की शुरूआत की गई है। यह अभियान 30 जून तक निरंतर जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ''जल गंगा संवर्धन'' अभियान का राज्य स्तरीय शुभारंभ महाकाल की नगरी उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट से किया गया। इसमें राज्यपाल मंगुभाई पटेल और केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री डॉ. अर्जुनराम मेघवाल भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का जल गंगा संवर्धन महा अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा। इस दौरान प्रति दिन छोटी-बड़ी जल संरचनाएं निर्मित कर लोकार्पित की जाएंगी। जल संरक्षण के इस अभियान से प्रदेश के भू-जल स्तर में सुधार आएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से मानवता ही नहीं समूची प्रकृति का जीवन अस्तित्व बचाए रखने के लिए पानी की बूंद-बूंद बचाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जल संरक्षण अभियान देशभर में एक व्यापक जन-आंदोलन बन चुका है। राज्य सरकार भी खेत का पानी खेत में-गांव का पानी गांव में के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार का यह अभियान जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल के विरहई जलाशय में श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया

भोपाल। जल संरक्षण और संवर्धन के लिए चलाए रहे बहुउद्देश्यीय जल गंगा संवर्धन अभियान के निमित्त सोमवार को ग्राम पंचायत विरहा श्यामखेडी विकासखंड बैरसिया जिला भोपाल के विरहई जलाशय में श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान के तहत प्रदेश के विभिन्न जलस्रोतों जैसे कुओं, बावड़ियों एवं तालाबों का निर्मलीकरण - सौंदर्यीकरण और गहरीकरण किया जायेगा। साथ ही जो पुराने जलस्रोत जर्जर अवस्था में है उनका जीर्णोद्धार भी किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक विष्णु खत्री, जनपद पंचायत प्रतिनिधि कुबेर सिंह गुर्जर, अनुविभागीय अधिकारी आशुतोष शर्मा, जनपद सीईओ दिलीप जैन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी भी सम्मिलित रहें। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक मुकेश गौर ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत विकासखंड में श्रमदान, रैली, जल पंचायत, रंगोली, पोस्टर, निबंध प्रतियोगिता आदि विभिन्न गतिविधियां परिषद के नेटवर्क के माध्यम से संचालित की जाएंगी ।

भोपाल से लखनऊ और पाटिल पुत्र तक चलेगी वंदे भारत ट्रेन

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से लखनऊ तक के लिए चेयर कार वंदे मातरम ट्रेन शुरू होने जा रही है। रानी कमलापति स्टेशन पर ट्रेनों के मैंटेनेंस के लिए वॉशिंग पिट तैयार करने का काम अंतिम चरण में है। मई के अंतिम सप्ताह तक वंदे मातरम ट्रेन चलने की संभावना जताई जा रही है। यह ट्रेन लखनऊ से सुबह स्टार्ट होगी। शाम को भोपाल से लखनऊ के लिए चलेगी। यह ट्रेन सप्ताह में 6 दिन संचालित होगी। इस ट्रेन को चलाने की जिम्मेदारी लखनऊ रेल मंडल को सौंपी गई है। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से पाटिली पुत्र के लिए स्लीपर वंदे भारत ट्रेन शुरू करने की तैयारी अंतिम चरण में है ।यह भोपाल रेल मंडल से संचालित होगी ।जल्द ही इसका रेक भोपाल रेल मंडल को मिल जाएगा। भोपाल से पाटलिपुत्र के लिए यह ओवरनाइट ट्रेन होगी। इस ट्रेन को सप्ताह में तीन या चार दिन चलेगी ।इसके लिए शेड्यूल तैयार किया जा रहा है ।दोनों ट्रेन मई और जून के अंत तक शुरू हो जाएंगी।

एम्स ने आयुष्मान योजना के तहत किया 8वां किडनी प्रत्यारोपण

भोपाल। एम्स भोपाल ने कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत सफलतापूर्वक आठवां किडनी प्रत्यारोपण कर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि संस्थान की उन्नत चिकित्सा सेवा प्रदान करने और एंड-स्टेज किडनी डिजीज (गुर्दे की अंतिम अवस्था की बीमारी) से पीड़ित मरीजों को नई आशा देने की प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाती है। 25 वर्षीय लाभार्थी, भोपाल निवासी, पिछले तीन वर्षों से गुर्दे की बीमारी से ग्रस्त थे और डेढ़ साल से डायलिसिस पर थे। इस कठिन समय में, उनके 31 वर्षीय बड़े भाई ने अपनी एक किडनी दान कर उन्हें जीवन का दूसरा अवसर दिया। डोनर की किडनी को लैप्रोस्कोपिक तकनीक के माध्यम से निकाला गया, जो एक न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया है। इसमें पेट में केवल एक छोटा चीरा लगाया जाता है, जिससे ऑपरेशन के बाद दर्द कम होता है, रिकवरी तेजी से होती है और निशान भी बहुत छोटा रहता है। इस प्रक्रिया की सफलता का प्रमाण यह है कि डोनर अगले ही दिन चलने-फिरने में सक्षम हो गए। पूरा प्रत्यारोपण आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत किया गया, जिससे मरीज को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधा बिना किसी आर्थिक बोझ के प्रदान की गई।

मप्र में ईवी वाहनों पर कोई टैक्स नहीं

आज से लागू हुई पॉलिसी, माल वाहन भी ईवी में बदलेंगे

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मप्र में ईवी वाहनों की खरीदी पर वाहन या रजिस्ट्रेशन टैक्स में 100 फीसदी तक की छूट मिलेगी। वी पॉलिसी को लेकर नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। जिसके तहत ईवी पॉलिसी अगले पांच साल तक प्रभावी रहेगी। खास बात यह है कि दो पहिया से लेकर भारी वाहन, बस एवं अन्य सभी तरह के वाहनों के लिए यह छूट लागू रहेगी। इस बीच राज्य के सरकारी बेड़े से लेकर निजी वाहनों की खरीदी में ईवी की संख्या बढ़ाना है। पॉलिसी में अगले पांच साल तक अलग-अलग श्रेणी के वाहनों की खरीदी का भी लक्ष्य है। जिसमें सरकारी वाहन भी शामिल हैं। पॉलिसी के अनुसार भविष्य में खरीदे जाने वाले सभी तरह के सरकारी वाहन ईवी रहेंगे।

नीति के अनुसार मॉडल पांच शहरों में अगले 5 साल के भीतर हर एक किमी पर एक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने का लक्ष्य है। राजमार्गों, प्रमुख सडक़ों पर हर 20 किमी पर चार्जिंग स्टेशन। जबकि हाईवों पर हर 100 किमी पर भारी ईवी वानों के लिए फास्ट चार्जिंग स्टेशन होगा। इस अवधि में सभी पेट्रोल पंपों पर एक इलेक्ट्रिक चार्जिंग प्वाइंट होगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी मप्र की ईवी पॉलिसी की तारीफ कर चुके हैं। पिछले महीने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के शुभारंभ पर प्रधानमंत्री ने कहा कि ईवी पॉलिसी के मप्र दूसरे राज्यों को दिशा देगा। मप्र में मौजूदा समय में 2 लाख से ज्यादा ईवी वाहन पंजीकृत हैं। यानी पर्यावरण की दृष्टि से ईवी पॉलिसी लागू करने में मप्र देश में पहला राज्य है।

चार्जिंग स्टेशन के लिए 5 लाख तक सब्सिडी

ईवी वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए सरकार उपकरण/मशीनों का 30 फीसदी मूल्य तक आर्थिक सहायता भी देगी। छोटे, मध्यम, बड़े चार्जिंग स्टेशन के लिए आर्थिक सहायता अलग-अलग होगी। पहले 500 छोटे चार्जिंग स्टेशनों के लिए अधिकतम डेढ़ लाख। पहले 300 मध्यम स्टेशनों के लिए 3 लाख। पहले 200 बड़े चार्जिंग स्टेशनों के लिए अधिकतम 10 लाख सहायता मिलेगी। इसके साथ ही बैटरी स्वैपिंग स्टेशन के लिए 5 लाख तक की सब्सिडी दी जाएगी। यह राशि पहले 300 स्वैप स्टेशनों को दी जाएगी। इसके लिए नोडल एजेंसी एमपी ईवी तरंग पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की प्रक्रिया होगी।

अब मंत्रियों को मिलेंगे ईवी वाहन

ईवी पॉलिसी के अनुसार पॉलिसी अवधि के अंत तक मप्र सरकार 80 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन (सभी प्रकार) शामिल करने का लक्ष्य है। जिसमें मुख्यमंत्री, मंत्री, अधिकारियों के लिए भी ईवी वाहन खरीदे जाएंगे। कर्मिशियल उपयोग में आने वाले 100 फीसदी दोपहिया वाहन इलेक्ट्रिक होंगे। साथ ही स्कूटर, बाइक से लेकर बस, ट्रक, टैक्टर और एंबूलैंस भी इलेक्ट्रिक होंगी। इनकी खरीदी पर प्रोत्साहन के रूप में 100 फीसदी तक वाहन कर एवं पंजीयन शुल्क में छूट दी जाएगी। इलेक्ट्रिक टैक्टर को बढ़ावा देने के लिए भी पंजीयन एवं वाहन कर में 100 फीसदी छूट देगी। खास बात यह है कि इनमें से कुछ वाहनों पर वाहन कर एवं पंजीयन कर में छूट दो साल है तो कुछ पर एक साल तक ही मिलेगी। इसके बाद अलग से प्रोत्साहन प्रक्रिया तय होगी।

बाइपोलर डिसऑर्डर दिवस पर हुए जागरूकता कार्यक्रम

कभी खुशी कभी गम होने पर हो जाएं सतर्क, ये बाइपोलर डिसऑर्डर भी हो सकता है

भोपाल ■ अमृत दर्शन

बाइपोलर डिसऑर्डर के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भोपाल जिले की शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में बाइपोलर डिसऑर्डर दिवस मनाया गया। इस अवसर बीमारी के लक्षणों और उपलब्ध विचार के उपचार के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर 31 मार्च को जिला जयप्रकाश चिकित्सालय में बाइपोलर डिसऑर्डर स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत् आयोजित इस शिविर में बीमारी के लक्षणों की जानकारी दी गई।

परामर्श कार्यक्रम में बताया गया कि बाइपोलर डिसऑर्डर एक मानसिक विकार है जिसमें व्यक्ति के मूड में अत्यधिक उतार-चढ़ाव होता है। इसमें व्यक्ति को कभी अत्यधिक खुशी और ऊर्जा का अनुभव होता है, तो कभी अत्यधिक उदासी और थकान का अनुभव होता है। यह स्थिति व्यक्ति के जीवन को प्रभावित कर सकती है, जिसमें उनके रिश्ते, काम और दैनिक गतिविधियाँ शामिल हैं। इन लोगों में अवसाद के लक्षण जैसे कि उदासीनता, थकान और आत्महत्या के विचार, मैनिया के लक्षण जैसे कि अत्यधिक ऊर्जा, उत्साह और जोखिम भरे व्यवहार, अनिद्रा की समस्या एकाग्रता में कमी हो सकती है। अभी तक ज्ञात कारणों में बाइपोलर डिसऑर्डर होने के कारण आनुवंशिक हो सकता है। न्यूरोकेमिकल असंतुलन और तनाव बाइपोलर डिसऑर्डर के लक्षणों को बढ़ा सकता है। बाइपोलर डिसऑर्डर के उपचार में चिकित्सक द्वारा रोग की स्थिति का आंकलन कर मूड स्टेबिलाइज़र और एंटीडिप्रेसेंट दवाएं दी जाती हैं। कॉग्निटिव- बिहेवियरल थेरेपी और फैमिली थेरेपी बाइपोलर डिसऑर्डर के उपचार में मदद कर सकती है इसके अलावा जीवनशैली में बदलाव जैसे कि नियमित व्यायाम और स्वस्थ आहार, बाइपोलर डिसऑर्डर के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं।

प्रदेश में परिवहन सेवाओं को और बेहतर बनाया जाएगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा पर सैद्धांतिक सहमति
- मंत्रि-परिषद से अनुमोदन उपरांत अमल में लाया जायेगा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के ग्रामीण, शहरी और इंटरसिटी परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा प्रारंभ की जाएगी। योजना का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। सबके साथ विस्तृत विचार-विमर्श, सुझाव एवं सहमति के बाद शीघ्र ही इस योजना प्रस्ताव को अनुमोदन के लिये मंत्रि-परिषद की बैठक में लाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में नवीन परिवहन सेवा (मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा) के संबंध में प्रारंभिक चर्चा के लिए आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में परिवहन सेवाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषकर प्रदेश के सभी जनजातीय क्षेत्रों में सुगम यात्री परिवहन के लिए सरकार हर जरूरी प्रयास करेगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, नगरीय विकास एवं प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मुख्य सचिव अनुराग जैन ने बैठक में वर्चुअली सहभागिता की। समत्व में हुई बैठक में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं प्रशासन संजय कुमार शुक्ल, सचिव परिवहन मनीष सिंह, सचिव मुख्यमंत्री सिबी चक्रवर्ती एवं संचालक जनसम्पर्क अंशुल गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उत्कृष्ट कर्तव्य निर्वहन हेतु मन का प्रबंधन जरूरी - अवधेश प्रताप सिंह

भोपाल । प्रशासक, प्रबंधक एवं कार्यपालकों हेतु ब्रह्मकुमारी राजयोग फाउण्डेनशन, प्रशासक प्रभाग द्वारा भोपाल में आयोजित मध्य?प्रदेश राज्य स्तजरीय स्वर्णिम प्रशासन जागृति अभियान के समापन समारोह के अवसर पर अवधेश प्रताप सिंह, प्रमुख सचिव, मध्यप प्रदेश विधान सभा द्वारा उल्लेख किया गया कि हम सब परिवार के स्तर पर, समाज में, अपने व्यवसाय या व्यापार में प्रशासक एवं प्रबंधक की भूमिका में रहते हैं। वर्तमान प्रदूषित वातावरण में शासन-प्रशासन में कार्यरत प्रशासक एवं कार्यपालकों को अनेक दबाव, प्रभाव एवं तनाव का सामना करना पड़ता है। कतिपय बार चुनौतीपूर्ण स्थिति में निर्णय लेकर कर्त्तव्य का निर्वहन करना होता है।

मप्र में प्रवेश उत्सव अभियान शुरु

पांचवीं पास बच्चों का मिडिल स्कूल में एडमिशन कराएंगे शिक्षक

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह का बड़ा बयान सामने आया हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत सरकारी स्कूलों में नर्सरी में बच्चों को भेजने का प्रावधान कर रहे है। स्कूल शिक्षा विभाग मंगलवार से प्रवेश उत्सव अभियान चलाएगा।

एमपी के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या पर बयान दिया हैं। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत सरकारी स्कूलों में नर्सरी में बच्चों को भेजने का प्रावधान कर रहे है। मंत्री ने यह भी बताया कि प्रदेश में एक अप्रैल से 'प्रवेश उत्सव अभियान' चलेगा।

हैंड ओवर-टेक ओवर की प्रक्रिया होगी शुरू

शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग के तहत हम हैंड ओवर-टेक ओवर की प्रक्रिया भी शुरुआत करेंगे। जिसका दारोमदार प्राइमरी स्कूल के हेडमास्टर को सौंपेंगे। 5वीं पास बच्चों को लेकर हेडमास्टर मिडिल स्कूल के बच्चों को संपूर्ण दस्तावेजों के साथ मिडिल स्कूल के हेडमास्टर को सौंपेंगे। इस प्रक्रिया में स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों और कर्मचारी को सम्मिलित किया जाएगा।

वित्त विभाग ने प्रतिबंधों को शिथिल करते हुए जारी की अनुमति

शहरों में 226.72 करोड़ में बनेंगे सीवेज और वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के कई शहरों में सीवेज और वॉटर सप्लाई सिस्टम मजबूत किया जाएगा। इसके लिए राशि की व्यवस्था की जा रही है। इन पर 226.72 करोड़ रुपए खर्च होगा। यह राशि शहरों में इकट्ठा होने वाली स्टाम्प ड्यूटी के हिस्से के तौर पर नगरीय निकायों को मिलेगी। इसके लिए वित्त विभाग ने प्रतिबंधों को शिथिल करते हुए अनुमति जारी कर दी है। गौरतलब है कि वित्त विभाग ने मार्च व जुलाई, 2024 में निकायों के खर्चों पर प्रतिबंध लगा दिया था। अब प्रतिबंधों को शिथिल करते हुए अनुमति जारी कर दी है। प्रदेश के 63 छोटे-बड़े शहरों में सीवरेज और वॉटर सप्लाई के प्रोजेक्ट किए जाएंगे। इन पर 226.72 करोड़ रुपए खर्च होगा। यह राशि शहरों में इकट्ठा होने वाली स्टाम्प ड्यूटी के हिस्से के तौर पर नगरीय निकायों को मिलेगी। इसके लिए वित्त विभाग ने मार्च व जुलाई, 2024 में लगाए प्रतिबंधों को शिथिल करते हुए अनुमति जारी कर दी है।

जारी हो चुकी है राशि: खास बात यह है कि राशि मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए जारी की गई है। इससे लघु एवं मध्यम शहरों के लिए शहरी अवसंरचना विकास योजना (यूआईडीएसएसएमटी) अमृत 1.0 और मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना के कार्य किए जाएंगे। इसमें सीवरेज और पेयजल प्रमुख तौर से शामिल हैं। सडक़ सुरक्षा निधि मद से भी तीन निकायों को पैसा दिया गया है। जबलपुर नगर निगम को दो करोड़, मानपुर व मेघनगर नगर परिषद के लिए 30-30 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। रीवा नगर निगम के हिस्से में सर्वाधिक 30 करोड़ रुपए आएगा। यह राशि अमृत 1.0 में सीवरेज पर खर्च की जाएगी। जबलपुर को भी इस कार्य के लिए 27 करोड़ रुपए मिलेंगे। इंदौर को सीवेज के दो प्रोजेक्ट्स के लिए 12.17 करोड़ रुपए मिलेगा। छिंदवाड़ा को यूआईडीएसएसएमटी और अमृत 1.0 में जलप्रदाय योजना के लिए 14.80 करोड़ रुपए दिया जाएगा। वहीं देवास को 8.89 करोड़, रतलाम को 4.24 करोड़, सागर को 9.91 करोड़, गुना को 7.90 करोड़, भिंड को 2.28 करोड़, ब्यावरा में 4.09 करोड़, नीमच में 2.74 करोड़, रायसेन जिले की बरेली में ढाई करोड़, छिंदवाड़ा की चौरई में 3.67 करोड़ व डोंगर परासिया में 3.05 करोड़, पंधाना में 2.31 करोड़ दिया जाएगा।

भोपाल को मिलेंगे 12.55 करोड़

नगरीय निकायों को मिलने वाली चुंगी क्षतिपूर्ति की राशि पर लगातार कैंची चल रही है। मार्च में 193 निकायों को मिलने वाली चुंगी क्षतिपूर्ति में से 93.39 करोड़ रुपए काट लिया गया है। यह राशि राशि बिजली का बकाया चुकाने के लिए सीधे विद्युत वितरण कंपनियों के खाते में डाल दी दी गई है। सर्वाधिक नुकसान इंदौर को उठाना पड़ा है। इंदौर का 25.27 करोड़ रुपए काटा गया है। है। भोपाल को 12.55 करोड़ रुपए कम मिलेंगे। जबलपुर को भी नौ करोड़ रुपए कम मिल पाएंगे। इसी तरह ग्वालियर का 9.94 करोड़ काटा गया है। सिंगरौली को मिलने वाली राशि में 1.51 करोड़ और रीवा की में 1.41 करोड़ की कटौती की गई है। चुंगी क्षतिपूर्ति में तीन साल से अधिक समय से जारी कटौती की वजह से नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति गड़बड़ा रही है।

जल गंगा अभियान में ताल, तलैया, नालों से अतिक्रमण भी हटेगा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

प्रदेश में जल गंगा सवर्धन अभियान के तहत न सिर्फ नदी, नाले और तालाबों में गंदगी मिलने से रोका जाएगा, बल्कि अतिक्रमण भी साफ होगा। इसके लिए शर्त यह है कि लोगों को जल स्रोतों पर हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ शिकायत लेकर आगे आना पड़ेगा।

शहरी क्षेत्र में कार्रवाई के लिए संबंधित नगरीय निकायों को अधिकृत किया गया है। यदि संबंधित निकाय जल स्रोत या संरचना को अतिक्रमण मुक्त कराने में ढिलाई करती है तो शासन स्तर पर भी शिकायत की जा सकती है।

जल गंगा संवर्धन अभियान का दूसरी साल है। इस दौरान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में सरकार द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की औपचारिता तो होगी। ही साथ ही इसे जन सरोकार का अभियान बनाने पर जोर रहेगा। जिसमें लोग खुद तय करेंगे कि उनके शहर के जल स्रोत एवं संरचना में गंदगी न मिले। इससे सामाजिक एवं अन्य संस्थाओं को भी जोड़ा जाएगा।

अनमोल वचन

कविता गाकर रिझाने के लिए नहीं समझ कर खो जाने के लिए है।
रामधारी सिंह दिनकर

जो दीपक को अपने पीछे रखते हैं वे अपने मार्ग में अपनी ही छाया डालते हैं।
रवींद्र ठाकुर

सम्पादकीय

चोर का धन चांडाल खाए, पापी मुंह देखता रह जाए

बहुत पुरानी कहावत है चोर का धन चांडाल खाए पापी मुंह देखता रह जाए यह कहावत पीढ़ी दर पीढ़ी सुनाई जाती है। यह कहावत वर्तमान युग में भी ज्यादा सटीक बैठती है। वर्तमान समय में चोर, सूदखोर, लालची और अनैतिक ढंग से पाप का पैसा कमाने वाले लोगों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। पाप की कमाई का धन वह स्वयं तो नहीं खा पाते हैं। उस धन का उपयोग चांडाल के भाग्य और ऐसो-आराम में होता हैं। जिसका धन होता है, वह डर और भय के मारे उसका उपयोग ही नहीं कर पाता है। वह जिसके पास और जहां धन रखता है। वह उसी का होकर रह जाता है। आज यह संपादकीय लिखने का मन इसलिए हुआ। दुबई से संचालित फॉरेक्स ट्रेडिंग कंपनियों में लाखों भारतीयों ने अपने काले धन को निवेश किया है। ब्याज और ज्यादा कमाई के लालच में अपनी पाप की कमाई को भारतीय, ऐसी कंपनियों में निवेश कर रहे हैं। जो ज्यादा ब्याज और मुनाफा देने का लालच देती हैं। महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हुए लोग अनैतिक रूप से भारी कमाई करते हैं। उस कमाई को छिपाने के लिए वह अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और बेनामी लोगों के नाम पर संपत्ति खरीद लेते हैं। ज्यादा कमाई और ब्याज के लालच में सूदखोरों के पास जमा करा देते हैं। कमाई के चक्कर में वह अपने अर्जित धन को स्वयं के उपर खर्च भी नहीं कर पाते हैं। चोर को हमेशा भय रहता है, चोरी का माल उसने खर्च किया, तो वह पकड़ लिया जाएगा। रिश्वतखोरों को डर रहता है, कि यदि उसने अपनी कमाई से ज्यादा खर्च किया, तो वह पकड़ा जाएगा। सूदखोर अपने धन का उपयोग इसलिए नहीं कर पाता है। उसे हमेशा लगा रहता है, यदि यह पैसा ब्याज में चला देंगे, तो इतनी कमाई होगी। करोड़ों रुपए कमाने वाला सूदखोर भी अपने और अपने परिवार के ऊपर धन को खर्च नहीं कर पाता है। कुछ ऐसी ही स्थिति बड़े-बड़े उच्च पदों और सरकारी पदों पर बैठे हुए लोगों की होती है। जिनकी कमाई बहुत होती है, वह इसलिए खर्च नहीं कर पाते हैं। यदि वह खर्च करेंगे तो लोगों की नजर में आ जाएंगे। उनका पद खतरे में पड़ जाएगा। भारतीय प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारी जो पति-पत्नी के रिश्ते में थे। उन्होंने अरबो रुपए की कमाई रिश्वत के रूप में की थी। दोनों जब पकड़े गए और प्रकरण चलते-चलते दोनों की मृत्यु भी हो गई। वह अपने धन का उपयोग नहीं कर पाए। वर्तमान में लोगों का लालच इतना बढ़ गया है। वह अपने धन का उपयोग करने के स्थान पर ज्यादा कमाने के चक्कर में ऐसी कंपनियों में निवेश कर देते हैं, जहां से ज्यादा लाभ मिलने की संभावना होती है। दुबई से संचालित कंपनियों में अरबो रुपए का निवेश भारतीयों द्वारा किया गया है। कंपनी के संचालकों ने पहले भारत में धोखाधड़ी की, भारत से कमाया हुआ धोखाधड़ी का धन लेकर दुबई चले गए। नए नामो से कंपनियां खोल लीं। उनके एजेंट भारत में लालच देकर बड़े-बड़े धन्ना सेठों और अवैध कमाई वालों को दुबई लेकर जाते हैं। उनके ऊपर लाखों रुपए खर्च करते हैं। लालच देकर उनसे अरबो रुपए का निवेश करा लेते हैं, उसके बाद उनकी कंपनी और कर्ता-धर्ता गायब हो जाते है। उनके फोन भी बंद हो जाते हैं। जमा मूलधन गायब हो जाता है। धन वापसी के लिए वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। उन्होंने अनैतिक तरीके से वह धन कमाया होता है। भारत जैसे देश में आयकर विभाग से कमाई छिपाते हैं, टैक्स नहीं देते हैं। गलत तरीके से पैसा विदेश भेज देते हैं। ईडी और अन्य जांच एजेंसियों के डर से वह कानूनी कार्रवाई भी नहीं कर पाते हैं। अवैध तरीके से कमाया हुआ चोरी का धन उनके हाथ से निकलकर चांडलो के पास पहुंच जाता है। वही चांडाल उस पैसे पर ऐश करते हैं। देश और विदेशों में इस तरह के चांडाल बड़ी मात्रा में कुकुरमुत्ता की तरह लोगों के लालच को जगाते हैं। फिर उनका जमा धन हड़प कर लेते हैं। जब धन चला जाता है, तो वह रो भी नहीं पाते हैं। यदि वह रोएंगे तो मूर्ख भी समझे जाएंगे। सरकार उल्टा टैक्स वसूल करने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। जो होगा वह भी चला जाएगा। वर्तमान स्थिति में यह कहा जा सकता है। चोर, सूदखोर, लालची और पापी अपने बनाया धन का उपभोक्ता नहीं कर सकते हैं। उनके धन पर हमेशा डाकुओं और चांडालों का ही हक होता है। इस बात को हर कोई जानता है। मानता कोई नहीं है। जिसके कारण लोग लुटते हुए चले आ रहे हैं। जिनके भाग्य में उस धन का उपयोग करना लिखा रहता है, वही एसो आराम करते हैं। भारत में इस तरह की ठगी करके अरबों रूपया लूटकर हजारों लोग विदेश भाग गए हैं। जो लूटे हैं, वह उन्हें कोस रहे हैं। जिनके भाग्य में उस धन का उपयोग करना था। वह विदेश भाग कर वहां ऐश कर रहे हैं।

चिंतन-मनन

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्राय- हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं। प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है।

लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

सादा जीवन उच्च विचार, भारतीय संस्कृति की हमेशा से ही नींव रही है

साथियों बात अगर हम मानवीय जीव की अभूतपूर्व प्रगति की करें तो इस विचारधारा ने अनेक सुख सुविधाओं के साथ दुख़, तकलीफों को भी जन्म दिया है जिसका जीता जागता उदाहरण है वर्तमान जलवायु परिवर्तन से होने वाली विनाशकारी तबाही, जिसके पीड़ित मानव के हृदय में यही बात आती है कि हमने प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया है अब प्रकृति हमारे साथ खिलवाड़ कर रही है।

किशन सनमुखदास भावनानी

कुदरत द्वारा रचित सृष्टि की 84 लाख़ योनियों में सबसे अनमोल बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व ख़ज़ाना धारे मानवीय योनिं नें सृष्टि में अभूतपूर्व बौद्धिक क्षमता का प्रयोग कर इस सृष्टि को कहां से कहां पहुंचा दिया है। सूर्य, चंद्रमा, अग्नि, बारिश जैसे प्राकृतिक और कुदरती रचनाओं को भी आर्टिफिशियल बना दिया है, इतना ही नहीं एक आर्टिफिशियल रोबोट मानव भी बना दिया है बस अब एक कमीं रह गई है जो मानवीय मृत शरीर में जान फुकना और आर्टिफिशियल प्राकृतिक बच्चे प्रौद्योगिकी की तकनीकी पर बनाकर उसमें जान फूककर जन्म देना रह गया है, जो मेरा मानना है कि मानवीय जीव यह कभी नहीं कर सकेगा।धन, माया, नाम शोहरत की खातिर मानव ने अपने चोबीस घंटे उसमें लगा दिए हैं जिसमें अपने जीवन को भारी तनावग्रस्त के समंदर में झोंक दिया है परंतु संतुष्टि फिर भी नहीं मिलेगी क्योंकि यह मार्ग ऐसा है कि इस पथ पर फिसलता ही चला जाता है और अंतिम लम्हों में सादा और सहज जीवन जीने की याद आती है तबतक सब कुछ निकल चुका होता है।

साथियों बात अगर हम मानवीय जीव की अभूतपूर्व प्रगति की करें तो इस विचारधारा ने अनेक सुख सुविधाओं के साथ दुख़, तकलीफों को भी जन्म दिया है जिसका जीता जागता उदाहरण है वर्तमान जलवायु परिवर्तन से होने वाली विनाशकारी तबाही, जिसके पीड़ित मानव के हृदय में यही बात आती है कि हमने प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया है अब प्रकृति हमारे साथ खिलवाड़ कर रही है,और मानसिक विचारधारा सादा जीवन उच्च विचार की ओर लौटने की सोच को रेखांकित करती है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार की करें तो यह सहज सरल जीवन की कुंजी है। सादगी से व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता, चेतना आती है। दृष्टिकोण में स्पष्टता, इच्छाओं का सही प्रबंधन कर संतुष्टि से खुशियों के द्वार खुलते हैं। मानव में दयालुता, सुविचार, मानवता, नम्रता झलकती है ऐसे मानवके समीप विक्कार जैसे द्वेष, अभिमान अहम, अहंकार जैसे अनेक विकारों को भी आने से डर लगता है क्योंकि यह रेखांकित करने वाली बात है कि जहां सादा जीवन रहेगा वहीं उच्च विचारों, गुणवत्ता, चेतना, संतुष्टि का निवास हो जाता है और

जीवन सहज, सरलता खुशियों से लबालब हो जाता है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार के अर्थ को समझने की करें तो,सादा जीवन का अर्थहै अपनी सीमित आवश्यकताओं के अनुसार, न कि अपने असीमित लालच के अनुसार। सारा तनाव और तनाव इस सूत्र का पालन न करने का परिणाम है।आध्यात्मिक जीवन सादा जीवन उच्च विचार के अलावा और कुछ नहीं है। भगवत गीता कहती है कि सादा जीवन और उच्च विचार ही आर्थिक समस्याओं का समाधान है। जो व्यक्ति सादा जीवन जीने में विश्वास रखता है, वह न तो अपने लिए और न ही दूसरों के लिए समस्याएँ खड़ी करता है। जो व्यक्ति उच्च विचारों में लीन रहता है, वह वास्तव में निस्वार्थ व्यक्ति बन जाता है।

साथियों बात अगर हम सहज, सरल जीवन की करें तो बड़े-बुजुर्गों के मुंह से सुनते आए हैं- जीवन में शांति ज़रूरी है और शांति से रहना अपने हाथ में है। शांति तभी मिल सकती है, जब जीवन सरल हो। कन्फ्यूशियस का कथन है- जीवन बेहद सरल है लेकिन हम उसे जटिल बनाने पर आमादा रहते हैं। भारतीय संस्कृति में तो वैसे भी हमेशा से सादा जीवन उच्च विचारों को अहमियत दी गई है। यूं भी कोई अस्त-व्यस्त, भ्रमित, दुविधाग्रस्त और दबाव में नहीं रहना चाहता। भीड़ चाहे लोगों की हो या वस्तुओं की, इच्छाओं की हो या अपेक्षाओं की, व्यक्ति की एकाग्रता को भंग करती है और उसे जीवन के अधिक महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति उदासीन बनाती है। भीड़ में खुद को गुम होने से बचाने का प्रयास ही सहज-सरल जीवन की कुंजी है।

साथियों बात अगर हम सादगी की करें तो, सादगी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता आती है। जैसे ही उसके भीतर यह चेतना आती है कि जीवन में क्या और क्यों महत्वपूर्ण है, वह इच्छाओं का सही प्रबंधन करने लगता है। इससे दुविधाएं कम होती हैं और दृष्टिकोण में स्पष्टता आती है। समय-समय पर अपनी जरूरतों और इच्छाओं का आकलन करना जरूरी है। कई बार ऐसा भी होता है कि जिस चीज से आज सुविधा महसूस होती है, वही भविष्य में असुविधा का कारण बन जाती है। हो सकता है, बड़ा घर लेना आज किसी की ख्वाहिश हो मगर उम्र बढने् के साथ यही घर असुविधाजनक हो सकता है क्योंकि वह इसका रखरखाव अच्छी तरह करने में असमर्थ होता है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार की करें तो, यह कहावत हमें सिखाती है कि हम अपने जीवन को और भी मूल्यवान बना सकते हैं सिर्फ व्यर्थ के धन और सामान आदि चीजों को नजरंदाज करके। ये हमें सच्ची ख़ुशी और आतंरिक संतुष्टि प्रदान करता है।ये यह भी बताता है कि सच्ची ख़ुशी हमारे विचारों में ही होती है ना कि किसी और चीजों में। ये हमें प्रेरित करती है कि हम अपनी जड़ों को पहचाने और किसी भी तरह के समृद्धि पाने वाले कार्य को नजर अंदाज करें। जीवन का सही मूल्य हमारे भौतिकवादी अधिग्रहण में नहीं है, बल्कि यह वह है जिसमें हम सोचते हैं, करते हैं, और प्रतिदिन हम कितने जीवन को छूते हैं।सादा जीवन उच्च विचार यह कहावत हमें इस बात के लिए प्रोत्साहित करती है कि हम अपने जीवन को समृद्ध के बजाय अधिक सार्थक बनायें। यहाँ जीने के साधारण तरीके से मतलब है जीवन जीने का एक सरल और गैर-महंगा मानक। हमें केवल सिर्फ उन चीजों के लिए ही चिंता करनी चाहिए जो हमारे जीवन के लिए बेहद आवश्यक है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सादा जीवन उच्च विचार भारतीय संस्कृति की हमेशा से ही नींव रही है।सादा जीवन उच्च विचार सहज सरल जीवन की कुंजी है।सादगी से व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता,चेतना आती है।दृष्टिकोण में स्पष्टता, इच्छाओं का सही प्रबंधन कर संतुष्टि से खुशियों के द्वार खुलते हैं।

(लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

नैतिक पतन के चलते खतरे में इंसानी रिश्ते

ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। अपराध और नैतिक पतन की ये घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि कहीं न कहीं हमारी सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्य और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर संकट है। लेकिन यह भी ध्यान देने की बात है कि नकारात्मक घटनाएँ समाचारों में ज़्यादा दिखाई देती हैं, क्योंकि वे लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। समाज में आज भी बहुत से लोग हैं जो प्रेम, सहयोग और नैतिकता से भरे हुए हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

समाज में कितना पतन बाकी है? यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है? महिला ने जेठ के साथ मिलकर अपने दो वर्ष के बेटे को मरवा दिया। पत्नी ने प्रेमी सँग मिलकर मर्चेंट नेवी मे अफसर पति के टुकड़े-टुकड़े किये। पिता ने नौकर से अपने बेटे की हत्या करवायी। माँ,बाप,भाई, दोस्त,पार्टनर को मारने की खबरें आम हैं। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। अपराध और नैतिक पतन की ये घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि कहीं न कहीं हमारी सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्य और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर संकट है। लेकिन यह भी ध्यान देने की बात है कि नकारात्मक घटनाएँ समाचारों में ज़्यादा दिखाई देती हैं, क्योंकि वे लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। समाज में आज भी बहुत से लोग हैं जो प्रेम, सहयोग और नैतिकता से भरे हुए हैं। हमें ज़रूरत है कि हम अच्छाई को भी उतना ही महत्त्व दें और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। इस पतन के कारणों को समझकर समाधान निकालना ज़रूरी है-परिवारों में संवाद बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना, नैतिक शिक्षा को मज़बूत करना और अपराध रोकने के लिए सख़्त क़दम उठाना। हमें यह भी सोचना होगा कि हम किस तरह के मूल्यों को बढ़ावा दे रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा समाज बना रहे हैं। समाज के पतन को पूरी तरह रोकना कठिन हो सकता है, लेकिन हम सब मिलकर इसे धीमा कर सकते हैं और सही दिशा में मोड़ सकते हैं।

आज के समय में जब हम समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर नज़र डालते हैं, तो चारों ओर अपराध, धोखा, हिंसा और नैतिक पतन की ख़बरें देखने को मिलती हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि समाज घोर कलयुग के प्रभाव में प्रवेश कर चुका है। पारिवारिक सम्बंधों में विश्वास की कमी, नैतिक मूल्यों का ह्रास और भौतिक सुखों की अंधी दौड़ ने मानवीय संवेदनाओं को कमजोर कर दिया है। समाज में नैतिकता, रिश्तों की अहमियत और मानवीय संवेदनाएँ धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही हैं। हत्या, विश्वासघात, स्वार्थ, लालच और नैतिक पतन की घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं। यह देखकर ऐसा लगता है कि समाज एक अंधकारमय दौर की ओर बढ़ रहा है। यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। यह सुनकर दिल दहल जाता है कि कोई बेटा अपने ही माता-पिता की इतनी निर्ममता से हत्या कर सकता है। ऐसे अपराध यह दिखाते हैं कि समाज में मानसिक संतुलन, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों में कितनी गिरावट आ चुकी है। समाज में जिस तरह से नैतिक पतन बढ़ रहा है, वह केवल अपराधों की संख्या नहीं बल्कि पारिवारिक और सामाजिक ताने-बाने के टूटने का संकेत भी देता है।

समाज में रिश्तों की अहमियत धीरे-धीरे कम होती जा रही है और इसके कई कारण हो सकते हैं। पहले जहाँ रिश्तों में अपनापन, विश्वास और त्याग होता था, वहीं अब स्वार्थ, लालच और दिखावे ने उनकी जगह ले ली है। माता-पिता, भाई-बहन, पति-पत्नी और दोस्तों के बीच भी आजकल स्वार्थ और लालच हावी होता जा रहा है। परिवार, जो पहले प्रेम और सहयोग का केंद्र हुआ करता था, अब झगड़ों और आपसी मतभेदों का शिकार बनता जा रहा है। छोटी-छोटी बातों पर हत्या, बलात्कार, लूटपाट और धोखाधड़ी जैसी घटनाएँ बढ़ रही हैं। परिवार के सदस्य तक एक-दूसरे के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। लोग नैतिकता और ईमानदारी को छोड़कर किसी भी तरह से धन और सफलता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का शोषण ही क्यों न करना पड़े। पहले लोग जीवन में धैर्य रखते थे, कठिनाइयों को सहन करते थे, लेकिन आजकल गुस्सा और अधीरता लोगों पर हावी हो गई है। छोटे-छोटे विवाद हिंसक रूप लेने लगे हैं। धर्म केवल दिखावे का साधन बनता जा रहा है, जबकि नैतिकता और ईमानदारी की क़ीमत घटती जा रही है। लोग दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं लेकिन ख़ुद सही राह पर नहीं चलते। पहले संयुक्त परिवार होते थे, जहाँ बुजुर्गों का मार्गदर्शन रहता था। लेकिन अब व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आधुनिकता के नाम पर पारिवारिक मूल्यों में कमी आ रही है। आर्थिक दबाव, रिश्तों में तनाव और व्यक्तिगत इच्छाओं के टकराव से लोग मानसिक रूप से अस्थिर हो रहे हैं, जिससे वे ग़लत फैसले लेते हैं। इंटरनेट पर हिंसा, अपराध और अनैतिकता को कहीं न कहीं सामान्य बना दिया गया है। लोग बिना सोचे-समझे चरम क़दम उठा लेते हैं। स्कूलों और परिवारों में बच्चों को सही और ग़लत का फ़र्क़ कम सिखाया जा रहा है। लालच, ईर्ष्या और व्यक्तिगत स्वार्थ बढ़ रहे हैं। अपराधी जानते हैं कि सजा मिलने में देरी होगी या बचने का रास्ता मिल जाएगा, जिससे अपराधों की संख्या बढ़ रही है।

कर्म करें, सब कुछ प्रभु पर छोड़ दें

संजय गोस्वामी

अपने व्यक्तिगत जीवन में कौन क्या कर रहा है, क्या खाता है, कैसे रहता है, इससे आपका संबंध ही क्या? आप क्यों परेशान हो रहे हैं और क्यों इसकी चर्चा कर रहे हैं? यदि समाजिक अन्याय हो, केवल तब ही आपको बोलना चाहिए।यथासंभव किसी की बुराई की चर्चा न करो, न बुराई देखो, न बुराई सुनो। किसीकी बुराई में रुचि लेने से हमारे मन पर बुरे संस्कार पड़ जाते हैं, हमारे भीतर भी बुराई आ जाती है। हाँ, स्वस्थ आलोचना जो सद्भावना प्रेरित हो और मधुरता से ओतप्रोत हो, हितकर होती है। संसार में अधिकांश लोग अपने-अपने स्वार्थों में फँसे हुए हैं तथा जहाँ भी किसी का कोई स्वार्थ टकराता है, वह आपकी व्यर्थ निन्दा शुरु कर देता है। मनुष्य किस-किस क्षेत्र में कहाँ तक हटे ? कभी-कभी संघर्ष करना जरूरी हो जाता है। संघर्ष से व्यक्तित्व निखरता है और प्रभाव बढ़ता है। संघर्ष में साथी और विरोधी भी परिस्थिति के अनुसार बदलते रहते हैं। जो कल विरोधी था, वह आज साथी हो सकता है और जो कल साथी था, वह आज विरोधी हो सकता है। केवल मित्रता स्थायी होती है, किंतु मित्र तो जीवन में एक-दो ही होते हैं। उदारताजन्य सद्भावना सबके लिए होनी चाहिए, यद्यपि मित्रता तो एक-दो से ही हो सकती है। उदारता अथवा सद्भावना का अर्थ तुष्टीकरण कदापि नहीं होता है। संघर्ष में अपराध-वृत्तिवाले (क्रिमिनल) दुष्टों का सहारा लेकर विजय पाने पर भी आपको एक दिन पराजय का मुँह देखना पड़ेगा; क्योंकि वे अंत में आपको भी शिकार बनाये बिना न रह सकेंगे। संघर्ष में यह स्मरण रखना उचित है कि किसी व्यक्ति के प्रति मन में घृणा और क्रोध नहीं बसा लेना चाहिए तथा घृणा और क्रोध से प्रेरित होने के बजाय न्याय एवं सत्य से प्रेरणा लेनी चाहिए। हम समाज-हित में, न्याय के समर्थन में, संघर्ष करें तथा दुष्ट को दण्ड दें, किंतु घृणा अथवा बदले की भावना से किसी को नष्ट करने के लिए उतारु न हो जाएँ। ईश्वर जिसे आयु और आजीविका प्रदान करता है, हमें मूर्खतावश उसके साथ एक क्षणभर में ही उकताहट हो जाती है। जिसे प्रभु जीवन का अवसर दे रहा है, हमें उससे घृणा करने का अधिकार नहीं है। विरोध एवं संघर्ष करते हुए भी हम इंसानिय न खो बैठे तथा संघर्ष एवं विरोध का दायरा सीमित ही रखें। धीरे-धीरे जब मनुष्य विचार-क्षेत्र में ऊँचे स्तर पर आ जाता है, तब वह जीवन में अधिक उदात्त होकर तथा अधिक ऊँची वस्तुओं में रुचि लेकर तुच्छ प्रकार के संघर्ष करना छोड़ देता है तथा अधिक उपयोगी दिशा में संघर्ष करना प्रारंभ कर देता है। यह पलायान नहीं, बुद्धिमता होती है, जीवन में स्वस्थ मोड़ होता है। इसे पलायन कहना भूल होती है। पलायन के मूल में भय होता है तथा मोड़ का कारण होता है-मन का ऊँचे धरातल पर पहुँचना। सन्त-वृत्ति अपनाने पर तथा आध्यात्मिक रुचि ग्रहण कर लेने पर, मनुष्य धन अथवा पद आदि के लिए लौकिक संघर्ष से अधिक-से-अधिक संभव सीमा तक दूर हटकर स्वाध्याय, ज्ञानार्जन, ध्यान के अभ्यास, प्रार्थना, परोपकार, सेवाकार्य आदि में जुट सकता है। यह रुचि परिष्कार कहलाता है। अरविंद घोष सहसा राजनीति से हटकर अध्यात्म में लग गये थे।सन्त क्षमादान कर प्रभु के दैवी न्याय पर सब कुछ छोड़ देता है। सन्त के लिए अपने व्यक्तिगत मामले में क्षमादान देना श्रेष्ठ होता है, किंतु यदि अन्य जन पर अन्याय हो रहा हो, तो उसका प्रतिरोघ करना सदैव समुचित हैं। जब आप पर अन्याय हो रहा है, तो दो ही राह हैं- घृणा को त्यागकर कर्त्तव्य ने नाते अत्याचार का प्रतिरोघ करें तथा संघर्ष करें और जो भी फल हो उसे स्वीकार कर लें अथवा संतभाव को अपनाकर सब कुछ प्रभु पर छोड़ दें तथा अन्यायी के लिए भी सद्भावना ही करते रहें। नादिरशाही अन्याय का अन्त अवश्य होगा। एक छोटी-सी चींटी हाथी के लिए, एक छोटा-सा छिद्र विशाल नौका के लिए, एक नगण्य मनुष्य अत्याचारी के लिए घातक सिद्ध हो जाता है। कमजोर पिट जाता है, किंतु सतानेवाला मिट जाता है।

खास बात

संसद में पति-पत्नी भाई बहन पिता पुत्र पुत्री के आत्मीय संबंध चर्चाओं में

लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी को आसंदी से चेतावनी देते हुए कहा था। सदन में भाई-बहन, पिता पुत्र, पति-पत्नी एक साथ सदस्य रहे हैं। सदन की उच्च परंपरा रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सदन में अपना व्यवहार सुधारें। यह कहते हुए उन्होंने सदन की कार्यवाही 1 घंटे के लिए स्थगित कर दी थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और भाजपा सदस्यों को भाई बहन का प्यार रास नहीं आ रहा है।राहुल गांधी अपनी बहन के हाथ में हाथ डालकर सदन के अंदर पहुंचते हैं। प्रियंका का कभी गाल पकड़ कर लाड दिखाते हैं। भाजपा नेताओं को भाई बहन का यह प्रेम पसंद नहीं है।भाजपा नेताओं का कहना है, अखिलेश और डिंपल यादव, पति-पत्नी की तरह सदन में आते हैं। पप्पू यादव और रंजीत रंजन एक साथ लोकसभा के सदस्य हैं। मेनका और वरुण भी मां और पुत्र के रूप में सदन के सदस्य रहे हैं। जिस तरह का प्यार राहुल और प्रियंका एक दूसरे के प्रति दिखाते हैं।वैसा अन्य कोई सांसद नहीं दिखाता है। यह बात अलग है, सत्ता पक्ष के लिए राहुल गांधी निशाने पर हैं।उनकी बहन प्रियंका मे इंदिरा गांधी की छवि दिखती है। वह जब भी बोलती हैं, सत्ता पक्ष हतप्रभ रह जाता है। भड़ास किसी न किसी रूप में तो निकलेगी ही।

महाराष्ट्र की विधानसभा आसंदी पर लेनदेन का आरोप

संसद में महुआ मोइत्रा की सांसदी पैसे लेकर प्रश्न पूछने के मामले में समाप्त कर दी गई थी। भाजपा के सांसदों ने महुआ मोइत्रा पर आरोप लगाया था।आनन फानन में उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। अब यही आरोप महाराष्ट्र के विधायकों और विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय पर लग रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा में पैसे लेकर सवाल पूछने का मामला तूल पकड़ गया है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने आरोप लगाया है। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के कार्यालय को पैसे देकर स्थगन प्रस्ताव और विधानसभा में प्रश्न पूछने के लिए अध्यक्ष कार्यालय को मैनेज किया जा रहा है। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव और उन्हीं प्रश्न में अनुमति मिलती है। जिसके बारे में विधायकों के साथ लेनदेन हो जाता है। इस समय विधानसभा में ढेर सारे ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आ रहे हैं।जिसके कारण बजट पर भी चर्चा नहीं हो पा रही है।महाराष्ट्र के कई विधायकों के प्रश्न नहीं लग रहे हैं। जिसके कारण यह मामला तूल पकड़ रहा है।

कर्नाटक में भाजपा के बॉस, पूर्व मुख्यमंत्री येदुरप्पा

कर्नाटक भाजपा की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदुरप्पा का दबदबा आज भी बना हुआ है। कर्नाटक में उन्हें भाजपा का बॉस कहा जाता है। उनके पुत्र बी वाई विजेंद्र का जिन भाजपा नेताओं ने विरोध किया। उन्हें पार्टी ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता बासन गोंडा पाटिल को 6 साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया है।जिससे उनके दबदबे की पुष्टि हो गई है।जो बगावत कर्नाटक भाजपा में देखने को मिल रही थी। वरिष्ठ नेता के निलंबित होते ही कर्नाटक भाजपा में शांति छा गई है। कर्नाटक में येदुरप्पा जो चाहेंगे, वही होगा, भाजपा के केंद्रीय नेताओं की भी कोई हैसियत कर्नाटक में नहीं है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि तीज, मंगलवासरे, भरणी नक्षत्रे, विवयोगे, गर करणे, मेष की चंद्रमा, भद्रा 35/02 सौभाग्य सुंदरी, गणगौर तीज, अरुंधती व्रत, विनायकी व्रत, तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ व उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल प्रशासक, जिद्दी-हठी, बैंक कर्मचारी, लिपिक, लेखापाल, कोसालय अधिकारी, अकाउंटेन्ट, बैंक प्रबंधक, मार्वेसटिंग मैनेजर, सेल्समैन होगा।

मेष राशि- विशेष कार्य स्थिगित रखें, अचानक घटना का शिकार होने से बचें, ध्यान रखें।

वृष राशि- सफलता के साधन जुटायें, समय की अनुकूलता से लाभ, चिन्ता के कार्य बनेंगे।

मिथुन राशि- अधिकारियों से लाभ स्थगित रखें, अन्यथा विवाद-क्लेश संभव बन जायेगा।

कर्क राशि- विरोधी प्रबल होंगे परेशान करने की स्थति पैदा करेंगे, जल्दबाजी से हानि होगी।

सिंह राशि- भाग्य का सितारा प्रबल, धन का व्यय होगा, सुख-वृद्धि, कार्य वृद्धि अवश्य होगी।

कन्या राशि- संतान सुख तथा सम्पन्नता के योग अवश्य ही बनेंगे, मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला राशि- कार्य-कुशलता से संतोष, बिगड़े कार्य बनेंगे, मित्रों से परेशानी अवश्य बनेगी।

वृश्चिक राशि- सामाजिक कार्यों में मान-प्रतिष्ठा तथा कुटुम्ब की समस्या जटिल होगी।

धनु राशि- स्त्री कष्ट, समय और धन नष्ट न होवे तथा विरोधी समस्याओं से बचकर चलें।

मकर राशि- षड़यंत्र व कष्ट सामने आये किन्तु कुटुम्ब से लाभ तो होगा किन्तु कष्ट होगा।

कुंभ राशि- षड़यंत्रकारी विरोधी विवाद करने के लिए उग्र होंगे, विवाद को टाले नहीं तो हानि होगी।

मीन राशि- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष, व्यवधान, चिन्ता बनेगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

1 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.35 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	08.15 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.13 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.26 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.43 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.54 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.05 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.20 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.36 बजे से
राहुकाल		मकर	01.41 बजे से
3.00 से 4.30		कुंभ	03.28 बजे से
बजे तक		मीन	05.00 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 91 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** चतुर्थी 02.33 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 11.07 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 09.48 बजे को समाप्त। **करण** गर 05.43 बजे, वणिज 16.05 बजे तदनन्तर विष्टि 02.33 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 02.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 04° 33' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872301 **जूलियन दिन** 2460766.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 02 **विशेष** विनायक चतुर्थी, मासिक कार्तिगाई, बैंक अवकाश।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनुसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडक्र उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह क्लेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद
एक खूबसूरत रत्न
जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं।

कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

मुक्केबाज स्वीटी ने दीपक पर मारपीट के कई नये आरोप लगाये

हिसार। पूर्व महिला मुक्केबाज स्वीटी बूरा और उनके पति कबड्डी खिलाड़ी पति दीपक हुड् ?डा के मामले में विवाद बढ़ता जा रहा है। हाल में स्वीटी ने अपने पति दीपक पर घरेलू हिंसा और मारपीट के आरोप लगाये थे। वहीं अब उसका कहना है कि दीपक पूरी रात पीटता था। इस कारण उसे पैनिक अटैक के कारण हॉस्पिटल में भी भर्ती होना पड़ा था। स्वीटी ने कहा कि तकिये से उसका मुंह दबाकर मुक्के मारे जाते थे। साथ ही कहा कि मारपीट के सबूत भी मेरे पास हैं। उसका कहना है कि दीपक ने उसका घर से बाहर निकलना तक बंद कर दिया था। उसे कई दिनों तक घर में बंद रखा गया। यहां तक कि उसकी गाड़ी और मोबाइल फोन तक दीपक ने अपने पास रख लिये। स्वीटी ने इसके साथ ही कहा दीपक लड़कों के साथ संबंध बनाता है। यह सबूत मैं कोर्ट में रखूंगी और इस आधार पर दीपक हुड्डा से तलाक मांगूंगी।

अंतिम ओवरों में टीम को जीत नहीं दिला पाये धोनी

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस मैच में धोनी सातवें नबंर पर उतरे पर अपने पहले वाले अंदाज में नहीं दिखे। जब वह बल्लेबाजी के लिए उतरे तो सीएसके को 12 गेंद में 39 रन जबकि अंतिम ओवर में 20 रनों की जरुरत थी पर वह उसे हासिल नहीं कर पाये और टीम को छह रनों से हार का सामना करना पड़ा। धोनी ने 11 गेंद में 16 रन बनाये पर ये पर्याप्त नहीं रहा। उन्होंने 19वें ओवर में एक चौका और छक्का लगाया पर अंतिम ओवर में संदीप शर्मा की गेंद पर आउट हो गये जिससे टीम के हाथ से जीत का अवसर निकल गया।

धोनी के निचले क्रम पर उतरने को लेकर उठे सवाल

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल का 18 सत्र अब तक अच्छा नहीं रहा है और उसे शुरु के तीन में से दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और उसके बाद राजस्थान रॉयल्स से हार मिली है। इसके साथ ही अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के निचले क्रम पर उतरने को लेकर भी सवाल उठे हैं। धोनी पिछले दोनो मैचों में नौवें और सातवें नंबर पर उतरे थे। वहीं प्रशंसक और पूर्व क्रिकेटर चाहते हैं कि धोनी ऊपरी क्रम में उतरते हुए लंबी पारी खेले।

लखनऊ सुपरजाइंट्स और पंजाब किंग्स में मुकाबला

दोनों ही टीमें जीत के लिए अपना पूरा जोर लगा देंगी

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम का मुकाबला मंगलवार को यहां आईपीएल में पंजाब किंग्स से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए अपना पूरा जोर लगा देंगी। ऋषभ पंत की कप्तानी में सुपरजाइंट्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत हासिल करना रहेगा। सुपरजाइंट्स को अपने पहले मैच में हार मिली थी पर दूसरे मैच में उसने सनराइजर्स हैदाराबाद के खिलाफ जीत दर्ज कर अच्छी वापसी की है। इस मैच में निकोलस पूरन और मिचेल मार्श ने तेजी से अर्धशतक लगाये थे। टीम चाहेगी कि ये दोनो अब पंजाब के खिलाफ भी इसी लय को बनाये रखें। पूरन अभी तक सबसे ज्यादा छक्के और स्ट्राइक रेट के साथ रन बना रहे है। वहीं मार्श ने लगातर दो बार पचास से अधिक रन बनाये हैं। टीम की सफलता के बाद भी कप्तान ऋषभ के रन नहीं बनाने से टीम की चिन्ताएं बढ़ी हैं। वह शुरुआती दो मैच में शून्य और 15 रन की बना पाये हैं। अब उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ा स्कोर बनाकर अपने आलोचकों को जवाब देना रहेगा। वहीं इस मैच में दो सबसे महंगे कप्तानों ऋषभ और श्रेयस अय्यर की भिड़ंत को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साहत रहेगा।

श्रेयस अय्यर इस बार पंजाब की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने पिछले आईपीएल में केकेआर टीम को खिताब जिताया था। इस बार आईपीएल की शुरुआत से ही श्रेयस ने अच्छा प्रदर्शन कर जमकर रन बनाये हैं। अय्यर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 42 गेंद पर नाबाद 97 रन बनाकर मैच विजेता पारी खेली थी। अय्यर अब इसी लय को जारी रखना चाहेंगे। उनके अलावा टीम की ओर से शशांक सिंह और प्रियांश आर्य ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। जिससे पंजाब के हौंसले बुलंद रहेंगे। पंजाब के पास तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और इंपेक्ट प्लेयर के रूप में उतरे मध्यम गति के गेंदबाज विजयकुमार वैशाख जैसे खिलाड़ी हैं। सुपरजायंट्स के लिए इस मामले में काफी परेशानी है क्योंकि उसके प्रमुख तेज गेंदबाज चोटिल होकर बाहर हैं हालांकि शार्दुल ठाकुर के आने से टीम को राहत मिली है। शार्दुल ने पिछले मैच में शानदार गेंदबाजी कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

इकाना स्टेडियम की पिच गेंदबाजों, विशेषकर स्पिनरों और धीमी गति के गेंदबाजों के अनुकूल है और दोनों टीम के स्पिनर मैच के परिणामों में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। रवि बिश्नोई हालांकि लय में नहीं आये हैं ऐसे में टीम बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद को उतार सकती है। वहीं पंजाब के स्पिन आक्रमण की जिम्मेदारी स्पिनर युजवेंद्र चहल के पास रहेगी। इसके अलावा ग्लेन मैक्सवेल का विकल्प भी उसके पास है। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

दोनों टीमों की अंतिम ग्यारह इस प्रकार है

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, ग्लेन मैक्सवेल, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, विजयकुमार वैशाख, सूर्यांश शेडगे।

लखनऊ सुपरजाइंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड मिलर, एडेन मारक्रम, निकोलस पूरन, मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, आयुष बडोनी, आवेश खान, , प्रिंस यादव, शारदुल ठाकुर और रवि बिश्नोई।

द्वितीय वर्ष टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया

बुदनी, निप्र। श्री कृष्ण यादव ग्वाल समाज सीहोर के तत्वाधान में द्वितीय वर्ष टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 28 मार्च से 30 मार्च तक आवासीय खेलकूद संस्थान में किया गया जिसमें मैच के फाइनल मुकाबला आगर मालवा और शुजालपुर के बीच खेला गया जिसमें आगर मालवा टीम ने प्रथम पुरस्कार 41000 रुपए एवं शील्ड देकर सम्मानित किया तो वहीं दूसरी उप विजेता टीम शुजालपुर को 21000 रुपए और ट्राफी देकर सम्मानित किया गया साथ ही प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को शील्ड ओर मेडल देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान कार्यक्रम में शामिल होने बुधनी से पधारे अखिल भारतीय ग्वाल महासभा के ज़िला अध्यक्ष भूपेन्द्र यादव का सभी समाजिक बंधुओं ने पुष्प माला पहनाकर साफा बांधकर जोरदार स्वागत किया।

खिलाड़ियों को मिलेगी नई सौगात

सीएम योगी करेंगे सिंथेटिक ट्रैक का लोकार्पण

बरेली, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को बरेली आ रहे हैं। वह कई परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे। स्पोर्ट्स स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक का लोकार्पण कर खिलाड़ियों को नई सौगात देंगे।

खेलों को बढ़ावा और खिलाड़ियों को बेहतरीन सुविधाएं देने के उद्देश्य से बरेली के स्पोर्ट्स स्टेडियम में बन रहा सिंथेटिक ट्रैक अब अपने अंतिम चरण में है। 400 मीटर लंबे और आठ लेन वाले ट्रैक के निर्माण का कार्य लगभग पूरा हो जाने के बाद अब इसके लोकार्पण की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को सिंथेटिक ट्रैक का लोकार्पण करेंगे।

अधिशासी अभियंता अमित सिंह के मुताबिक एक से दो दिनों में सिंथेटिक ट्रैक के कागज स्टेडियम को सौंप दिए जाएंगे। इसके बाद गठित समिति इसकी जांच करेगी। जांच के बाद विभाग को पत्र भेजा जाएगा। वहां से अनुमति मिलने के बाद इसे स्टेडियम को हैंडओवर किया जाएगा।

सिडको को सौंपी गई थी जिम्मेदारी: स्पोर्ट्स स्टेडियम की ओर से खेल विभाग को भेजे गए प्रस्ताव के तहत इस प्रोजेक्ट को स्वीकृति मिली थी, जिसके बाद निर्माण की जिम्मेदारी सिटी एंड इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन (सिडको) को सौंपी गई थी। खेल निदेशालय ने इसकी अंतिम तिथि 12 मार्च 2026 निर्धारित की थी, लेकिन निर्माण कार्य निर्धारित समय से पहले ही पूर्ण कर लिया गया है।

खिलाड़ियों को प्रदान करेगा सुविधाएं

इस ट्रैक की कुल लागत 9.55 करोड़ रुपये है। यह ट्रैक खिलाड़ियों के लिए बेहतर अनुभव प्रदान करेगा। इससे उनकी दौड़ने की क्षमता में सुधार होगा। आठ लेन वाले इस ट्रैक पर लंबी दौड़, स्प्रिंट, ऊंची कूद, लंबी कूद समेत आदि एथलेटिक्स स्पर्धाएं आयोजित की जा सकेंगी। स्टेडियम प्रशासन का कहना है कि इस ट्रैक के तैयार हो जाने से खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रशिक्षण मिलेगा और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं भी कराई जा सकेंगी।

ड्रेनेज सिस्टम तैयार, बारिश के पानी की निकासी में नहीं होगी दिक्कत: ट्रैक को टिकाऊ और हर मौसम के अनुकूल बनाने के लिए इसमें अत्याधुनिक ड्रेनेज सिस्टम लगाया गया है। यह प्रणाली बारिश के पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करेगी, जिससे किसी भी प्रकार की जलभराव की समस्या न हो।

ट्रैक पर लाइनिंग और मार्किंग का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। यह प्रक्रिया ट्रैक पर दौड़ने के लिए सही लेन, दूरी और दिशा निर्धारित करने में मदद करेगी। इसके माध्यम से प्रतिस्पर्धा निष्पक्ष और व्यवस्थित रहती है।

राजगीर में होगा हीरो एशिया कप 2025

हॉकी इंडिया-बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

राजगीर, एजेंसी। बिहार के खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेंद्र ने टूर्नामेंट की मेजबानी पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 की मेजबानी बिहार के लिए गर्व का विषय है।

बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में हीरो एशिया कप 2025 का आयोजन किया जाएगा। 29 अगस्त से सात सितंबर तक चलने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए हॉकी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच आज एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (रन्न्) पर हस्ताक्षर किए गए। यह टूर्नामेंट हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे बिहार के बढ़ते खेल बुनियादी ढांचे और अंतरराष्ट्रीय हॉकी में राज्य की मजबूत उपस्थिति का संकेत मिलता है। यह दूसरा मौका है जब राजगीर किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। इससे पहले नवंबर 2024 में महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का सफल आयोजन हुआ था, जिसमें भारतीय टीम ने खिताब जीता था।

एशिया की टॉप 8 टीमें लेंगी हिस्सा: इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में एशिया की आठ टीमें भाग लेंगी, जिनमें भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन और मलेशिया जैसी दिग्गज टीमें शामिल हैं। बाकी दो टीमें एएचएफ कप क्वालिफाइंग टूर्नामेंट के जरिए अपनी जगह बनाएंगी। अगर एशिया कप के इतिहास की बात करें, तो दक्षिण कोरिया सबसे सफल टीम रही है। दक्षिण कोरिया की टीम ने 1994, 1999, 2009, 2013 और 2022 में कुल पांच बार खिताब जीता है। इसके बाद भारत (2003, 2007, 2017) और पाकिस्तान (1982, 1985, 1989) ने तीन-तीन बार इस खिताब पर कब्जा जमाया है।

विश्वकप क्वालिफायर भी होगा यह टूर्नामेंट, बढ़ेगा रोमांच: हीरो एशिया कप 2025 की एहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है, क्योंकि यह 2026 एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए एक क्वालिफाइंग इवेंट है। यह विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होगा। इस टूर्नामेंट का विजेता टीम सीधे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगी, जिससे मुकाबले और भी रोमांचक हो जाएंगे। सभी टीमें खिताब जीतने और अपनी विश्व कप की सीट पक्की करने के लिए पूरी ताकत झोंक देंगी।

व्यापार समाचार

नियामक ने पाइपलाइन शुल्क बदलने का रखा प्रस्ताव

सीएनजी और पाइप्ड गैस की कीमतों में नरमी की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल व गैस नियामक ने घरों में सीएनजी और पाइप के जरिए रसोई गैस बेचने वाली शहरी गैस इकाइयों से न्यूनतम दर पर शुल्क वसूलने का प्रस्ताव दिया है। इस नीति के अमल में आने से उपभोक्ताओं को सस्ते दरों पर गैस उपलब्ध होने का अनुमान है। आइए इस बारे में जानें।

तेल व गैस नियामक पीएनजीआरबी ने नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए उपभोक्ताओं तक गैस पहुंचाने वाली पाइपलाइनों के लिए शुल्क निर्धारण की नई नीति का प्रस्ताव रखा है। अगर यह प्रस्ताव अमल में आता है तो इससे सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में नरमी दिख सकती है। नियामक ने घरों में सीएनजी और पाइप के जरिए रसोई गैस बेचने वाली शहरी गैस इकाइयों से न्यूनतम दर पर शुल्क वसूलने का प्रस्ताव दिया है।

पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने प्राकृतिक गैस को इसके उत्पादन वाले क्षेत्रों से या आयात बंदरगाहों से ले जाने वाली पाइपलाइनों पर लगाए गए क्षेत्रीय शुल्कों में परिवर्तन के लिए एक सार्वजनिक परामर्श दस्तावेज जारी किया है। यह बदलाव उन संयंत्रों के लिए किया गया है जो इससे बिजली बनाते हैं। इसके अलावे इसका असर उन उर्वरक इकाइयों पर पड़ेगा जो इससे यूरिया बनाती हैं। इसके अलावे इससे वे शहरी गैस इकाइयां भी इससे प्रभावित होंगे जो इसे ऑटोमोबाइल को बेचने के लिए सीएनजी में बदल देती हैं और खाना पकाने के लिए इसे घरेलू रसोई तक पहुंचाती हैं।

नियामक ने कहा, निवेश लाने और देश में विशेष रूप से सीएनजी और घरेलू पाइप्ड प्राकृतिक गैस (खाना पकाने के लिए घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाली) में गैस की खपत बढ़ाने के लिए एक और दूरगामी सुधार में, पीएनजीआरबी घरेलू उपभोक्ताओं और परिवहन में इस्तेमाल होने वाली पाइप्ड प्राकृतिक गैस की कीमत कम करने का प्रस्ताव लेकर आया है।

टैरिफ विनियमन के विभिन्न पहलुओं पर हितधारकों से टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए एक सार्वजनिक परामर्श दस्तावेज (पीसीडी) वेबहोस्ट किया गया है। इसके तहत एकीकृत टैरिफ जोन को तीन से घटाकर दो करने का प्रस्ताव रखा गया है।

पीएनजीआरबी प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के लिए ट्रांसमिशन शुल्कों को नियंत्रित करता है। इन्हें नियोजित पूंजी पर 12 प्रतिशत मानक रिटर्न प्रदान करने के लिए तय किया जाता है। ये शुल्क, पारंपरिक रूप से, पाइपलाइन की लंबाई के साथ विभाजित किए जाते थे और गैस स्रोत से दूर जाने पर बढ़ाए जाते थे। इसके परिणामस्वरूप स्रोत से अधिक दूरी पर स्थित उपभोक्ताओं को अधिक शुल्क चुकाना पड़ता था। प्राकृतिक गैस के मूल्य निर्धारण में दूरी से संबंधित अव्यवस्था को हल करने के लिए, प्राकृतिक गैस ग्रिड से जुड़े सभी उपभोक्ताओं के लिए एक एकीकृत टैरिफ नवंबर 2020 में प्रस्तावित किया गया था और 1 अप्रैल, 2023 से लागू किया गया था।

टैक्स-बचत: आज से लागू होगी नई कर व्यवस्था

12.75 लाख रुपये तक कमाई करमुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट में कई महत्वपूर्ण आयकर संशोधन किए गए हैं। एक अप्रैल से नई कर व्यवस्था लागू होने के बाद करदाताओं को दिमागी कसरत से राहत मिलेगी और टैक्स प्लानिंग भी पहले से आसान हो जाएगी।

नई कर व्यवस्था में नए स्लैब के तहत 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। वेतनभोगी करदाताओं के लिए यह सीमा 75,000 रुपये के स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ 12.75 लाख रुपये तक हो जाएगी। 12 लाख रुपये की सीमा के ऊपर की आय पर टैक्स का भुगतान करना होगा।

सरकार ने नई कर व्यवस्था में आयकर कानून की धारा-87ए के तहत छूट की सीमा को 25,000 रुपये से बढ़ाकर 60,000 रुपये कर दिया है। यह छूट सुनिश्चित करती है कि सालाना 12 लाख रुपये तक की कमाई पर करदाता के ऊपर कोई टैक्स देनदारी नहीं बनेगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण के मुताबिक, नई संशोधित कर व्यवस्था में सालाना 12 लाख कमाने वाले करदाताओं को टैक्स में 80,000 रुपये का फायदा होगा।सालाना 16 लाख रुपये कमाने वाले करदाता को 50,000 रुपये और 18 लाख रुपये की कमाईकरने वाले व्यक्ति को कर के मोर्चे पर 70,000 रुपये का फायदा होगा। 20 लाख रुपये की आय पर 90,000 रुपये, 25 लाख की कमाईपर 1.10 लाख रुपये और 50 लाख रुपये की सालाना आय वाले करदाता को कुल 1.10 लाख रुपये का कर लाभ होगा।

12.10 लाख तक आय पर कर की गणना: 4 लाख तक की कमाईपर कोईटैक्स नहीं लगेगा। 4-8 लाख तक की कमाईपर 5 फीसदी की दर से कर देनदारी 20,000 रुपये बनेगी। 8-12 लाख तक कमाईपर 10 फीसदी दर से 40,000 रुपये की देनदारी बनती है। अब आखिर में बचे 10,000 रुपये पर 15 फीसदी दर से 1,500 रुपये टैक्स बनता है। इस तरह, 12.10 लाख की कमाईपर आपको कुल 61,500 रुपये का कर भुगतान करना होगा।

यूलिप पर कैपिटल गेन्स के रूप में टैक्स: यूलिप में निवेश के दौरान किसी भी वर्ष 2.5 लाख रुपये से अधिक का प्रीमियम दिया है, तो मैच्योरिटी के समय प्राप्त राशि (बोनस सहित) पर टैक्स देना होगा। साथ ही, अगर आपने कई यूलिप प्लान खरीदे हैं और कुल भुगतान किया गया प्रीमियम 2.5 लाख रुपये से अधिक है, तो इससे होने वाली आय पर भी टैक्स लगेगा। नए वित्त वर्ष से जो यूलिप आयकर कानून की धारा-10(10डी) के तहत नहीं आते हैं, उन्हें पूंजीगत संपत्ति माना जाएगा और इससे होने वाले लाभ को कैपिटल गेन्स माना जाएगा।

इन यूलिप को इक्विटी ओरिएंटेड एसेट माना जाएगा और इसलिए सभी लाभों पर इक्विटी ओरिएंटेड फंड के बराबर कर लगेगा।

बंगलादेश को होने वाले निर्यात में गिरावट, आयात स्थिर

अगरतला। बंगलादेश में पिछले साल अगस्त में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से त्रिपुरा से इस देश को होने वाला निर्यात काफी घट गया है वहीं आयात की मात्रा लगभग स्थिर बनी हुई है। त्रिपुरा की उद्योग और वाणिज्य मंत्री संतना चकमा ने सोमवार को को बताया कि चालू वित्त वर्ष (फरवरी तक) में त्रिपुरा ने बंगलादेश से 625.14 करोड़ रुपये का सामान आयात किया, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 703.67 करोड़ रुपये और 2022-23 में 636.72 करोड़ रुपये था। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 के फरवरी तक त्रिपुरा से बंगलादेश को केवल 50.07 करोड़ रुपये का निर्यात किया गया, वहीं 2022-23 में यह 121.37 करोड़ रुपये और 2023-24 में सिर्फ 12.31 करोड़ रुपये था।

बीएसई की घोषणा: कंपनी अपने हर 1 शेयर पर देगी 2 फ्री शेयर

नई दिल्ली। बीएसई लिमिटेड कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उनकी कंपनी अपने इन्वेस्टर को 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देगी। कंपनी के बोनस शेयर के प्रस्ताव पर बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की तरफ से मंजूरी भी मिल गई है। इस पॉजिटिव खबर का असर आने वाले कारोबारी दिन मंगलवार 1 अप्रैल के ट्रेडिंग सत्र में देखने को मिल सकता है। एशिया की सबसे पुरानी स्टॉक एक्सचेंज के तौर पर पहचान रखने वाली बीएसई लिमिटेड की बीते 30 मार्च दिन रविवार को कंपनी की बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स की मीटिंग हुई थी। इस बोर्ड मीटिंग में कंपनी के बोर्ड मेंबर्स के सामने इन्वेस्टर्स को बोनस शेयर बांटने के प्रस्ताव को पेश किया गया था जिस पर बोर्ड मेंबर ने अपनी अप्रूवल दी है। इस बोनस शेयर के संबंध में किसी भी प्रकार का रिकॉर्ड डेट अभी नहीं जारी किया गया है।

वीआई को राहत, सरकार इक्विटी में बदल देगी बकाया 37 हजार करोड़

नई दिल्ली। आर्थिक संकट का सामना कर रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) को सरकार से बड़ी राहत ?मिली है। वीआई ने बताया कि सरकार उसकी बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारी को इक्विटी शेयरों में बदल देगी, जिसकी कुल कीमत 36,950 करोड़ रुपए है। ?इससे कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 22.6 फीसदी से बढ़कर लगभग 49 फीसदी हो जाएगी। वीआई ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया, दूरसंचार मंत्रालय ने सितंबर 2021 में घोषित टेलीकॉम सेक्टर के रिफॉर्म्स और सहायता पैकेज के तहत यह फैसला लिया है कि बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारियों जिसमें स्थगन अवधि खत्म होने के बाद चुकाई जाने वाली स्थगित देनदारियां भी शामिल हैं को इक्विटी शेयरों में बदला जाएगा।

रिसर्च जर्नल के शीर्ष 100 शोधपत्रों में मिली जगह

पंतजलि के शोध को वैश्विक स्तर पर मिली पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। योगगुरु स्वामी रामदेव की प्रेरणा व पतंजलि के वैज्ञानिकों के साक्ष्य आधारित आयुर्वेदिक दवा अनुसंधान से निर्मित रीनोग्रिट के शोध को विश्व प्रसिद्ध प्रकाशक नेचर पोर्टफोलियो के वैज्ञानिक रिसर्च जर्नल के वर्ष 2024 के शीर्ष 100 शोध में शामिल किया गया है।

साइंटिफिक रिपोर्ट का इंपैक्ट फैक्टर 3.8 है और यह विश्व का पांचवा सबसे ज्यादा संदर्भित जर्नल है। रीनोग्रिट पर प्रकाशित इस शोध पत्र को 2,568 लोगों ने डाउनलोड किया है। यह इसका संकेत है कि आयुर्वेदिक औषधियां न केवल रोगों को दूर करने में सफल प्रमाणित हो रही हैं, अपितु यह वैज्ञानिकों के लिए भी एक कौतुहल का विषय है कि किस प्रकार जड़ीङ्कबूटियों से बनी कोई औषधि बिना किसी दुष्प्रभाव के बड़े से बड़े रोग को दूर करने में सक्षम है।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा रीनोग्रिट की यह सफलता आयुर्वेद की वैज्ञानिक प्रमाणिकता को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। यह दर्शाता है कि जब आयुर्वेद को नवीन तकनीकों की कसौटी पर परखा जाता है तो किस प्रकार अभूतपूर्ण परिणाम प्राप्त होते हैं।

गुड़ी पड़वा पर बजाज ने एक ही दिन में रिकॉर्ड 26,938 वाहनों की बिक्री की

19,017 बाइक और 6,570 इलेक्ट्रिक चेतक स्कूटर बेंचे

मुंबई (ईएमएस)। बजाज ने गुड़ी पड़वा के शुभ मौके पर महाराष्ट्र में एक ही दिन में रिकॉर्ड 26,938 वाहनों की बिक्री की। इसमें कंपनी की लोकप्रिय बाइक के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटर चेतक भी शामिल है। कंपनी के आंकड़ों के मुताबिक, 28 मार्च को मनाए गए महाराष्ट्रीय नववर्ष के दिन बजाज ने महाराष्ट्र में एक दिन में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। अनुमान के मुताबिक, यह बिक्री पिछले साल गुड़ी पड़वा पर हुई बिक्री से करीब दोगुनी रही और दिवाली जैसे बड़े त्यौहारों की तुलना में भी कहीं ज्यादा रही। पुणे स्थित बजाज ऑटो ने गुड़ी पड़वा के दिन कुल 19,017 बाइक और 6,570 इलेक्ट्रिक चेतक स्कूटर की ब्रिकी की है। जो चेतक की कुल बिक्री का करीब एक-चौथाई हिस्सा है। इसके अलावा कंपनी ने 658 केटीएम बाइक और 693 प्रीमियम ट्रायम्फ बाइक की भी बिक्री की।

कंपनी ने बताया कि यह रिकॉर्डतोड़ बिक्री हाल ही में लांच की गई प्रीमियम चेतक 35 सीरीज की जबरदस्त मांग के चलते हुई है। यह सीरीज 1 लाख रुपये से ऊपर की कीमत वाले सेगमेंट में आती है, इस सेगमेंट को कंपनी मजबूत करना चाहती है। चेतक 3502 की शुरुआती कीमत 1.30 लाख है, जबकि इसके ऊपरी वेरिएंट की कीमत 1.42 लाख तक जाती है।

1 लाख और उससे ऊपर की प्रीमियम कैटेगरी में बजाज की बाजार हिस्सेदारी पहले लगभग 15 प्रतिशत थी, जिसे यह नया प्रोडक्ट बढ़ाने में मदद कर सकता है। फिलहाल यह सेगमेंट इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा रखता है। दूसरा बड़ा कारण बजाज का अपने घरेलू राज्य में मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क रहा है, जहां इसके अधिकतर टू-व्हीलर तैयार होते हैं। अनुमान के अनुसार, कंपनी के पास महाराष्ट्र में 1,200 से अधिक डीलर हैं।

संक्षिप्त समाचार

सीहोर में अगले 4 दिन बारिश की संभावना, दो सिस्टम एक्टिव होने से बदलेगा मौसम

सीहोर। सीहोर में अगले चार दिनों तक मौसम में बदलाव की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, लो प्रेशर सिस्टम और टर्फ लाइन के सक्रिय होने से बारिश हो सकती है। बता दें कि, जिले में पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान 23 डिग्री और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहा। मार्च के अंतिम सप्ताह में अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया था। अब 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने बताया कि आज दोपहर बाद गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश की संभावना है। सुबह से ही आसमान में बादल छाए हुए हैं और उनकी घनता लगातार बढ़ रही है। लो प्रेशर जोन बनने और टर्फ लाइन के प्रभाव से बारिश की पूरी संभावना है।

धरमकुंडी-खुटवासा रेलवे स्टेशन के बीच आग लगीं

भोपाल। खंडवा और इटारसी रेलवे सेक्शन के बीच सोमवार शाम 4 बजे अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस की आखिरी बोगी में धुआं भर गया। ट्रेन के जनरेटर और पार्सल बोगी में आग लग गई। 3 घंटे बोगी जलती रही। हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। अहमदाबाद से बरौनी जाने वाली ये ट्रेन दोपहर 2 बजे खंडवा से इटारसी की ओर रवाना हुई थी। धरमकुंडी से निकलने के बाद खुटवासा के किसानों ने इशारा कर ट्रेन को रुकवाया। बोगी काटकर बाकी ट्रेन को इटारसी रवाना किया गया। इस घटना के कारण खंडवा से इटारसी आने वाला रेलवे डाउन ट्रैक पर 2 घंटे परिचालन प्रभावित रहा।

बढ़ते हुए तापमान को ध्यान में रखकर जिले में स्कूलों का समय बदला

ग्वालियर। ग्रीष्म ऋतु के दौरान बढ़ते हुए तापमान को ध्यान में रखकर जिले में बच्चों के हित में स्कूलों के संचालन के समय में बदलाव किया गया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री अजय कटियार ने इस आशय का आदेश जारी कर दिया है। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार जिले में अब प्ले ग्रुप से दूसरी कक्षा तक के लिये प्रात:-9 बजे से दोपहर एक बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। इसी तरह तीसरी से बारहवीं तक की कक्षाएँ प्रात:-8 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक संचालित होंगीं। परीक्षायें यथावत संचालित रहेंगीं। यह आदेश एक अप्रैल से प्रभावशील होगा और जिले की सभी शासकीय-अशासकीय और अनुदान प्राप्त शालाओं पर लागू होगा।

देवास में मंदिर के पास खुल रही शराब दुकान का विरोध

देवास। देवास के एबी रोड पर मंदिर के पास शराब दुकान खोलने का रहवासियों, विशेषकर महिलाओं ने विरोध किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दुकान खुली तो चक्काजाम करेंगे। स्थानीय लोग दुकान के स्थान परिवर्तन की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रहवासियों से चर्चा की। देवास के एबी रोड पर मंदिर के पास शराब दुकान खुलने का रहवासियों ने सोमवार को जमकर विरोध किया। खासकर महिलाओं ने शराब के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। साथ ही चेतावनी भी दी कि यदि दुकान खुलती है तो चक्काजाम किया जाएगा। जानकारी के अनुसार देवास के बस स्टैंड के पास पुरानी शराब दुकान से आगे नए टेंडर के चलते दुकान खोली जा रही है, जिसको लेकर वहां के रहवासियों ने सोमवार रात को विरोध किया। जहां पर महिला पुरुष बड़ी संख्या में शामिल रहे, जिन्होंने बताया कि यहां पर काफी प्राचीन मंदिर है।

इंदौर में वायु प्रदूषण कम करने के लिए केंद्र की सलाह

इंदौर। इंदौर ने लगातार 7 वर्षों तक स्वच्छता में नंबर 1 स्थान हासिल किया है, और अब पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने इसे वायु प्रदूषण नियंत्रण में भी अग्रणी बनाने की सलाह दी है। इंदौर में साल में 20 दिन से अधिक समय तक वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर तक जाने लगा है। इस दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 पार तक जा रहा है और वायु प्रदूषक तत्व (पीएम) की मात्रा 2.5 तक दर्ज हो रही है। इन सबके बीच पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भी इंदौर को वायु प्रदूषण कम करने के लिए कहा है। निर्देशों के बाद अब इंदौर नगर निगम इस कार्य के लिए योजना बना रहा है जिसमें कई चरणों में काम किया जाएगा। लगातार सात वर्षों तक स्वच्छता में नंबर वन स्थान आए इंदौर को अब पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने यह सलाह दी है कि इंदौर को वायु प्रदूषण में भी देश में अव्वल बनना चाहिए। मंत्रालय ने यह भी कहा कि इंदौर को विदेशों के स्वच्छ शहरों का अध्ययन करना चाहिए ताकि यह पता चल सके कि वहां सफाई के साथ-साथ ध्वनि और वायु प्रदूषण पर किस तरह काम किया गया।

सतना के बाद जबलपुर के सराफा व्यापारी से ठगी

यूपी के ठगों को रांझी पुलिस ने पकड़ा, मां-बेटा बन दुकान में बदलते थे नकली सोना

जबलपुर ■ एजेंसी

सतना के 5 सराफा व्यापारियों से लाखों रुपए की ठगी करने के बाद जबलपुर पहुंचे तीन ठगों को रांझी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सभी बदमाश यूपी के मथुरा और नोएडा के रहने वाले है। गिरोह में दो युवक और एक महिला शामिल है। ठग 27 मार्च को सतना के पांच व्यापारियों को नकली जेवरात देकर करीब साढ़े सात लाख रुपए के असली जेवर लेकर फरार हो गए थे। इसके बाद सतना से मैहर, कटनी होते हुए ये तीनों ब्लैक स्कॉर्पियो में सवार होकर जबलपुर के रांझी पहुंचे। यहां भी एक सराफा कारोबारियों को निशाना बनाने की फिराक में थे, लेकिन उससे पहले ही रांझी सीएसपी के साथ मौजूद पुलिस टीम ने एक महिला सहित तीन ठगों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस गिरफ्त में आए ठगों को का नाम जगदीश गौतम, संदीप गौतम निवासी मथुरा और अल्का शर्मा निवासी नोएडा है। पूछताछ में पता चला कि कुछ दिनों पहले इन लोगों ने शहर के लार्डगंज थाना अंतर्गत एक सराफा व्यापारी के साथ भी ठगी की थी। मां-बेटे बनकर सराफा व्यापारी के पास पहुंचे दोनों ठगों ने 12.6 ग्राम सोने की चेन पसंद की, वजन कराया तो उनके द्वारा दिए गए झुमके से कम निकली। बाद में सौदा यह तय हुआ कि झुमके के बदले चैन दे दिया जाए। सराफा व्यापारी ने पारस पत्थर और मशीन में झुमके चेक किए तो सही पाए गए। कुछ देर बात जब शोरूम में कारीगर आया और सोने को आग में गर्म किया तो पता चला कि इस झुमके में सिर्फ 25 प्रतिशत ही सोना है, बाकी दूसरी धातु है। व्यापारी को सच पता चलने से पहले ठग मौके से फरार हो चुके थे।

सतना से फरार होकर जबलपुर पहुंचे: सतना में पांच सराफा व्यापारियों को ठगने के बाद तीनों ठग ब्लैक स्कॉर्पियो से मैहर, कटनी होते हुए जबलपुर पहुंचे। सतना की जिन दुकानों से उन्होंने ठगी की थी वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में इनकी तस्वीर कैद हुई थी। ठगी के बात सामने आने के कुछ देर में ठग महिला और युवक की फोटो सतना सहित मैहर, कटनी और जबलपुर के थानों तक पहुंच गई। पुलिस मुखबिर के जरिए इन ठगों की तलाश में जुटी हुई थी। 30 मार्च की शाम रांझी पुलिस ने ठगो को गिरफ्तार कर लिया। मुखबिर की सूचना पर सीएसपी सतीश साहू ने थाना प्रभारी मानस द्विवेदी के साथ प्रधान आरक्षक पुरुषोत्तम अहिरवार, प्रदीप तिवारी, आरक्षक अर्पित सिंह, मनीष और अभिषेक के साथ रांझी रोड में खड़ी एक ब्लैक स्कॉर्पियो के पास पहुंचे तो उसमे जगदीश गौतम नाम का शख्स बैठा हुआ था।

रेल अधिकारी की पत्नी-बेटा बनकर पहुंचे

27 मार्च की शाम को सतना के संस्कार आर्नामेंट्स के संचालक जनार्दन सोनी अपने शोरुम में बैठे हुए थे। इस दौरान एक महिला और युवक उनके पास पहुंचे। महिला ने खुद को रेल अधिकारी की पत्नी और बेटा बताया। इसके बाद युवक ने 18 ग्राम सोने के 2 झुमके दिए और कहा कि इसके बदले में एक चैन दिखा दो।

एक दिन में पांच व्यापारियों को ठगा

संदीप गौतम, जगदीश गौतम और अल्का शर्मा ने जिस तरह से सराफा व्यापारी जनार्दन सोनी को ठगा था, ठीक उसी तरह एक ही दिन में सतना के चार अन्य सराफा व्यापारी के साथ भी ठगी की थी। सतना के ही अंकित सोनी ने एक तोले की चूड़ियों के बदले इतने ही वजन के गहने उन्हें दिए थे। ठगों से मिली चूड़ी को जब सराफा व्यापारी ने चेक किया तो उसमें से सिर्फ 35 प्रतिशत ही सोना निकला।

इंदौर में 218 करोड़ की प्रॉपर्टी की सबसे महंगी रजिस्ट्री

हाउसिंग बोर्ड से सरकार को मिले 27 करोड़, आज से महंगी होगी रजिस्ट्री

इंदौर ■ एजेंसी

इंदौर में मार्च महीने की सबसे बड़ी रजिस्ट्री हुई है। इस रजिस्ट्री से शासन को 27 करोड़ का राजस्व मिला है। जिस जमीन की रजिस्ट्री हुई है उसकी वैल्यू 218 करोड़ से भी ज्यादा है। यह जमीन इंदौर की काफी पुरानी जमीनों में शुमार है। इसका आगामी दिनों में डेवलपमेंट भी किया जाना है। हम बात कर रहे है हुकुमचंद मील की जमीन की।

27 करोड़ रुपए का राजस्व मिला: वरिष्ठ जिला पंजीयक दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि 29 मार्च को इंदौर 3 ऑफिस में इस दस्तावेज का पंजीयन हुआ है। इसमें प्रॉपर्टी की वैल्यू 218 करोड़ की है। उन्होंने बताया कि यह हुकुमचंद मील की प्रॉपर्टी है, जिसे इंदौर में सभी जानते है। इंदौर नगर निगम की ओर ये दस्तावेज पंजीकृत हुआ मध्यप्रदेश हाउसिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड के पक्ष में। इसमें गवर्नमेंट को 27 करोड़ रुपए का राजस्व मिला है। शर्मा ने बताया कि उनकी जानकारी के अनुसार यह राजस्व की दृष्टि से सबसे बड़ी रजिस्ट्री है मार्च महीने में।

बोर्ड ने रजिस्ट्री की राशि दी: नगर निगम की प्रभारी अपर आयुक्त लता अग्रवाल ने बताया कि परसों हुकुमचंद मील की जमीन की रजिस्ट्री की गई है। शासन के आदेश के बाद ही यह हुआ है। मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड ने रजिस्ट्री की राशि दी है। रजिस्ट्री पर जमीन पर वैल्यू लिखी है। फिलहाल निगम को कुछ नहीं मिला है। इस जमीन को जब मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड द्वारा डेवलप किया जाएगा उसके बाद नगर निगम को इसमें से प्रॉफिट मिलेगा।

वरिष्ठ जिला पंजीयक, इंदौर 1 दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि फाइनेंशियल ईयर 2024-25 में कुल 2541 करोड़ की आय हुई है। 1.85 लाख दस्तावेजों का पंजीयन किया गया है।

3 हजार 77 करोड़ का टारगेट मिला था

रविवार रात 12 बजे के बाद तक दस्तावेजों का पंजीयन चलता रहा। इस बार 3 हजार 77 करोड़ का लक्ष्य मिला था। पूरा प्रयास है कि अधिक से अधिक लक्ष्य एकत्रित हो। उन्होंने कहा कि टारगेट हमेशा से बढ़ाकर दिया जाता है। इनकम में 15 से 18 प्रतिशत की वृद्धि लगातार चली आ रही है। इतनी वृद्धि हासिल करना थोड़ा कठिन है। आगामी समय में राजस्व और बढ़ने की संभावना है।

इंदौर में संपत्ति विवाद में घायल बुजुर्ग की मौत

बेटे ने चाकू से हमला किया था, देपालपुर में हमले में घायल किसान ने दम तोड़ा

इंदौर ■ एजेंसी

इंदौर के तेजाजी नगर में 15 दिन पहले चाकूबाजी में घायल हुए बुजुर्ग की सोमवार रात मौत हो गई। बुजुर्ग पर संपत्ति विवाद के चलते उसके बेटे ने चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद से एमवाय में उनका उपचार चल रहा था। मामले में बुजुर्ग की बेटी ने अपने भाई के खिलाफ हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कराया था। पुलिस पहले ही आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

तेजाजी नगर पुलिस के मुताबिक 15 मार्च को मालवीय मोहल्ले में बुजुर्ग दयाराम पुत्र गणपत मालवीय को बेटे बालाराम मालवीय ने पेट में चाकू मार दिया। दयाराम का एमवाय में उपचार चल रहा था। रात में यहां उसकी मौत हो गई। पुलिस अब मामले में हत्या की धारा बढ़ाएगी।

पुलिस के पास दयाराम की बेटी कुंकु मालवीय पहुंची थी। उसने बताया था कि उसके भाई की काफी पहले मौत हो चुकी है। बुजुर्ग पिता सिल्वर स्प्रिंग में चौकीदारी करते थे। वे बुजुर्ग मां संपत बाई के साथ रहते थे। उन्होंने भाई बालाराम को उनकी संपति का हिस्सा दे दिया। लेकिन उसने अपनी जमीन बेच दी और जहां पिता दयाराम रहते थे।

तलवार और डंडे से किया हमला, किसान की मौत

देपालपुर में गब्बूलाल(70) पुत्र बाबूलाल निवासी रुलाय की भी सोमवार को मौत हो गई। बताया जाता है कि उन पर पड़ोसी महेन्द्र उसके रिश्तेदार नंदराम ने रास्ते से निकलने की बात पर तलवार और डंडे से हमला कर दिया था। इस हमले में भाई जगदीश और गब्बु का बेटा पंकज भी घायल हुआ था। सभी को उपचार के लिए इंदौर एमवाय लेकर आया गया।

इंदौर में सड़क चौड़ी करने के लिए 15 से ज्यादा निर्माणों पर चले बुलडोजर

इंदौर ■ एजेंसी

सुबह पांच पोकलेन और चार जेसीबी के साथ 100 से ज्यादा श्रमिक मौके पर पहुंचे। अफसरों ने मकानों में रखे सामान को हटाने के लिए कहा। इस काम में नगर निगम के अमले ने भी मदद की।

इंदौर में मास्टर प्लान की सड़कों के लिए केंद्र की योजना से 200 करोड़ रुपये की राशि मिली है। इसके चलते अब शहर में सड़कों का काम शुरू हो गया है। फिलहाल पूर्व में अधूरी सड़कों को चौड़ा करने के लिए बाधक निर्माण हटाए जा रहे है। मंगलवार को चंद्रभागा से कलालकुई मस्जिद के बीच बड़ी कार्रवाई की गई। सड़क की चौड़ाई में बाधक 15 से ज्यादा निर्माण तोड़े गए थे।

भवन मालिकों को नगर निगम ने एक माह पहले नोटिस जारी कर दिया था, लेकिन स्वेच्छा से निर्माण नहीं टूटे तो नगर निगम ने उन्हें तोड़ा। सुबह पांच पोकलेन और चार जेसीबी के साथ 100 से ज्यादा श्रमिक मौके पर पहुंचे। अफसरों ने मकानों में रखे सामान को हटाने के लिए कहा। इस काम में नगर निगम के अमले ने भी मदद की। रहवासी विरोध न करे, इसके लिए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद था। दो घंटे में निर्माणों को जमींदोज कर दिया गया।

18 मीटर चौड़ी सड़क बनेगी

चंद्रभागा से मस्जिद तक 18 मीटर चौड़ी सड़क बनना है। यह मध्य क्षेत्र की सड़क है। यहां ट्रैफिक का दबाव काफी अधिक रहता है। नगर निगम गंगवाल बस स्टैंड से सरवटे बस स्टैंड तक भी सड़क चौड़ी कर रहा है। यह सड़क उस मार्ग की फीडर रोड है। 18 मीटर चौड़ाई की सड़क बनने के बाद ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं रहेगी।

मंदिर में दर्शन करने आए व्यक्ति की जेब से 80 हजार चोरी, पुलिस में दर्ज कराई शिकायत

दमोह ■ एजेंसी

पुलिस ने बांदकपुर मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज देखे, लेकिन कोई संदिग्ध नजर नहीं आया। ऐसे में पुलिस का मानना है कि चोरी मंदिर के बाहर हुई है। हालांकि, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दमोह जिले के बांदकपुर में भगवान के दर्शन करने के दौरान एक व्यक्ति की जेब से 80 हजार रुपये चोरी हो गए। घटना सोमवार शाम की है, जिसके बाद मामले की शिकायत बांदकपुर पुलिस चौकी में दर्ज कराई गई है।

जानकारी के अनुसार, तेजगढ़ थाना क्षेत्र के इमलिया घाट चौकी खर्राघाट निवासी प्रहलाद सिंह लोधी ने बताया कि वह लगुन का सामान लेने के लिए सोमवार को बांदकपुर आए थे। खरीदारी करने के बाद उन्होंने सामान दुकान पर रख दिया और अपने भतीजे के साथ बांदकपुर मंदिर में दर्शन करने चले गए। दर्शन करने के बाद जब वह माता पार्वती के मंदिर में जा रहे थे, तब उन्हें जेब से रुपये चोरी होने का अहसास हुआ।

उन्होंने जेब में हाथ डाला तो वह खाली थी। इसके बाद उन्होंने अपने परिजनों को बताया कि उनकी जेब में रखे 80 हजार रुपये गायब हो गए हैं। फिर उन्होंने बांदकपुर पुलिस चौकी में चोरी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध नजर नहीं आया। बांदकपुर चौकी प्रभारी राजेंद्र मिश्रा ने बताया कि पैसे मंदिर में चोरी नहीं हुए हैं, क्योंकि फुटेज में ऐसा कोई व्यक्ति नजर नहीं आ रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दोस्त के जन्मदिन पर गया था, नहर में मिला शव

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। सिमरिया रेलवे पुलिया के पास बरगी नहर में सोमवार शाम को 22 वर्षीय मनोहर ठाकुर का शव बरामद हुआ। मृतक थाना मुगवानी के ग्राम पस्ताना का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, मनोहर 29 मार्च को अपने दोस्त का जन्मदिन मनाने आया था और तीसरे दिन 31 मार्च की शाम उसका शव नहर में मिला। राहगीरों की नजर नहर में झाड़ियों के बीच पड़े शव पर पड़ी। शव पूरी तरह निर्वस्त्र था। मृतक के कपड़े शव से कुछ दूरी पर मिले। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। गोटेगांव एसडीओपी भावना मरावी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी प्रदीप सराफ के साथ उन्होंने जांच शुरू कर दी।

शादी का झांसा देकर बनाए संबंध, बाद में मुकरा

लिव-इन पार्टनर के खिलाफ युवती ने दर्ज कराया केस, भाजयुमो नेता पर धमकाने का आरोप

खंडवा ■ एजेंसी

इंदौर में रहने वाली एक युवती ने खंडवा के कैफे संचालक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। फायनेंस कंपनी में जॉब करने वाली युवती ने शिकायत में बताया कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसे लिव इन में रखा और धोखा दे दिया। केस के बाद आरोपी डेढ़ महीने से फरार है, पीड़िता ने खंडवा के बीजेपी नेता को आरोपी का दोस्त बताते हुए, उसपर धमकाने का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत इंदौर पुलिस कमिश्नर से की गई है।

ढाई साल तक लिव इन में रहा आरोपी: जानकारी के अनुसार, 24 वर्षीय युवती ने इंदौर के भंवरकुआं थाने में 19 फरवरी को रिपोर्ट कराई थी। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी अंकित यादव खंडवा के हरसूद का रहने वाला है। वह हरसूद में कैफे चलाता है। उससे ढाई साल पहले दोस्ती हुई थी। तभी से वह उसके साथ लिव इन में रही थी। पीड़िता ने बताया कि आरोपी अंकित ने शादी का झांसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। लेकिन, अब वह शादी से मुकर गया।

यह दवा अमूल्य है

खूनी बवासीर के मरीजों के लिये आवश्यक सूचना

1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित है।
2. डाक्टरों, हकीमों और वैद्यों का ईलाज करा-करा कर थक गये हैं।
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो जाता है।

तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन को चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।
तो आज ही हमारे निम्न पते पर आये और निःशुल्क दवा प्राप्त करें।

दैनिकअमृत दर्शन

6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003, मो. 9827054436

ग्वालियर में लड़की के अपहरण की बात निकली झूठी

रील बनाने मिले थे दोस्त, बहस हुई तो कार में बैठा कर ले गए

ग्वालियर ■ एजेंसी

ग्वालियर में नाबालिग छात्रा को जबरन कार में बैठाकर भागने की कोशिश कर रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हालांकि पूछताछ में सामने आया है कि असल में यह अपहरण नहीं था।

लड़की और उसका दोस्त आर्यन सोशल मीडिया पर रील बनाते हैं। माधवनगर गेट पर भी वे रील बनाने के लिए मिले थे। बातचीत के दौरान बहस हो गई और आर्यन ने उसे मनाने के लिए मजाक में कार में धक्का देकर बैठा लिया। पास में मौजूद एक नागरिक ने इसे अपहरण समझकर पुलिस को सूचना दे दी।

इसके बाद इस रील के झगड़े में असली पुलिस चार घंटे तक उलझी रही। लड़की ने पुलिस के सामने स्पष्ट किया कि दोनों लड़के उसके दोस्त हैं और वह अपनी मर्जी से कार में बैठी थी। हालांकि यह अपहरण नहीं निकला, लेकिन जागरूक नागरिक की सतर्कता के कारण पुलिस की एक तरह से मॉकड्रिल जरूर हो गई।

दरअसल, शहर के हजीरा पटेल स्कूल के पास रहने वाली 18 वर्षीय छात्रा सोशल मीडिया पर रील बनाकर अपलोड करती है। सोशल मीडिया पर रील बनाने के दौरान उसकी दोस्ती गोल पहाड़िया निवासी आर्यन सक्सेना से हुई थी, जो खुद भी रील बनाने में सक्रिय है। छह महीने पहले दोनों की दोस्ती हुई थी और दोनों साथ में रील बनाने लगे थे।

सोमवार को ईद उल-फितर मनाने के बाद लड़की आर्यन के बुलाने पर रील बनाने के लिए घर से निकली। माधवनगर गेट पर मिलने के बाद वे किसी अन्य स्थान पर जाने की योजना बना रहे थे।

इसी दौरान पास से गुजर रहे एक युवक ने यह नजारा देखा और उसे लगा कि लड़की का अपहरण हो रहा है। उसने बिना देर किए जागरूक नागरिक होने का फर्ज निभाते हुए पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दे दी।

आर्यन सक्सेना, आरोपी

सड़क पर मजाक में हुई बहस, बन गया अपहरण का सीन

माधवनगर गेट पर आर्यन अपनी कार में अभिषेक नारगे के साथ पहुंचा, जो उसके वीडियो शूट करता है। रील को लेकर मजाक में बहस होने पर लड़की नाराज हो गई। आर्यन उसे मनाने लगा, लेकिन भीड़ इकट्ठी होने लगी। उसने कहा कि गाड़ी में बैठकर बात करेंगे और मजाक में लड़की को हल्का सा धक्का देकर कार में बैठा लिया। फिर तेजी से कार लेकर वहां से निकल गया।

मंत्रालय में आयोजित वंदे मातरम कार्यक्रम में युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, प्रमुख सचिव, अनुराग जैन सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए।

अब पुलिस अधीक्षक कर सकेंगे जिलों के अंदर डीएसपी के ट्रांसफर

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय ने एक नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत अब पुलिस अधीक्षकों को उप पुलिस अधीक्षकों के तबादले का अधिकार मिलेगा। यह कदम तबादला प्रक्रिया को तेज करने और कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। अभी तक पुलिस मुख्यालय से डीएसपी और एसडीओपी स्तर के अधिकारियों के स्थानांतरण के लिए अनुमति प्राप्त करनी पड़ती थी, जिसमें समय लगता है। अब पुलिस अधीक्षकों को यह अधिकार देने से यह प्रक्रिया तेज होगी और तात्कालिक समस्याओं का समाधान जल्दी हो सकेगा। मध्य प्रदेश के छोटे जिलों में आमतौर पर 5 से 7 डीएसपी होते हैं, जबकि बड़े जिलों में यह संख्या 10 से अधिक हो सकती है। डीएसपी अधिकारियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है और कभी-कभी उन्हें तत्काल स्थानांतरण की आवश्यकता होती है, जो अब पहले से कहीं अधिक प्रभावी तरीके से हो सकेगा। नई व्यवस्था में, स्थानांतरण से पहले प्रभारी मंत्री की अनुशंसा आवश्यक होगी। अधिकारियों का मानना है कि यह कदम जिलों में कानून-व्यवस्था में सुधार लाएगा और पुलिस व्यवस्था को और बेहतर बनाएगा।

राजधानी में भटकने को मजबूर है आम नागरिक

ऐसा है कमिश्नर सिस्टम...

जहां पुलिस उपायुक्त कार्यालय में आवेदन लेने वाला ही कोई नहीं

भोपाल ■ अमृत दर्शन

कार्यालय खुला हो और वहां आवेदन लेने वाला कोई न हो क्या ऐसा हो सकता है। जी हां ऐसा हो रहा है भोपाल पुलिस कमिश्नर कार्यालय में चंद कदम दूर पुरानें पुलिस कन्ट्रोल रूप में उपायुक्त, आसूचना व सुरक्षा कार्यालय में आवेदक को यह कहकर चलता कर दिया जाता है कि आवेदन लेने वाला कोई नही है दूसरे दिन आना आवेदन कितना जरूरी है आवेदक कौन है और कितनी दूर से आया है इससे मतलब नही है बस कर्मचारी के न होने का हवाला देकर दूसरा कर्मचारी काम से अपना पीछा छुड़ाने में जरा भी देर नहीं करता है। देर नहीं करते है।

प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार चैत्र नवरात्र में आयोजित कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के संदर्भ में श्रीराम मंदिर ट्रस्ट गुरुबक्श की तलैया हमीदिया रोड का आवेदन 29 मार्च 2025 को अपरान्त करीब 3 बजे लेने से मनाकर दिया गया। उपस्थित कर्मचारी ने खाली पड़ी कुर्सी की ओर इशारा करते हुए कहा कि आवेदन लेने वाला नहीं है कल आना या संबंधित थाने को ले जाकर दे दे। आवेदन रिसीव करने का काम कितना बड़ा है यह तो वह कर्मचारी ही बता सकता है पर यह तो तय है इसके लिये न तो पुलिस मुख्यालय से कोई आर्डर लेना पड़ता है और न ही कानून पास करवाने की आवश्यकता पड़ती है।

भोपाल में कमिश्नर सिस्टम होने के बाद भी पुलिस कर्मियों के रवैए में कोई बदलाव नहीं आ रहा है जबकि मुख्यमंत्री से लेकर डीजीपी तक व्यवहार में बदलाव लाने के लिये कई बार हिदायत दे चुके हैं।

यहां जानकारी देना जरूरी है

कमिश्नर सिस्टम लागू होने के बाद व्यवस्थाओं में बदलाव करते हुए धार्मिक जलसा-जुलूस या अन्य किसी ऐसे आयोजन अनुमति अथवा सुरक्षा व्यवस्था के लिये एसडीएम के बजाए पुलिस उपायुक्त आसूचना व सुरक्षा, कार्यालय को आवेदन देना जरूरी है। आवेदन प्राप्त करने वाला ही न हो तो आम जनता आखिर जाए भी तो कहा जाए।

300 साल पुराना काली मां का मंदिर

देर रात होती है तांत्रिक पूजा

महू ■ अमृत दर्शन

चैत्र नवरात्रि हिंदू धर्म का एक पावन पर्व होता है। इस साल रविवार 30 मार्च से नवरात्रि की शुरुआत हुई है। इस बार की नवरात्रि 9 दिन की नहीं बल्कि 8 दिन की होगी। नवरात्रि में भक्तजन विधि-विधान से नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा करते हैं। इसके साथ ही मंदिरों में भी सुबह से ही भक्तों का तांता लग जाता है। इसी बीच आज हम आपको 300 साल पुराना काली माता मंदिर के बारे में बताएंगे। जो दुनिया में इकलौता है।

दिव्य श्रृंगार देखने दूर-दूर से पहुंचते हैं भक्त

चैत्र नवरात्र की धूम पूरे देश में देखने को मिल रही है। इसी बीच आज हम मध्य प्रदेश के महू में स्थित 300 साल पुराने काली माता मंदिर के बारे में बात करेंगे। जहां आठ दिनों तक तांत्रिक पूजा होती है। इसके साथ ही यहां मां का दिव्य श्रृंगार होने के बाद विशेष आरती की जाती है। काली माता का यह मंदिर अपनी विशेषता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। आपको बता दें कि, यह दुनिया का इकलौता ऐसा मंदिर है जो सात रास्तों के संगम पर स्थित है। मंदिर के बारे में कहा जाता है कि बंगाल के देवी उपासकों ने वायुमार्ग से जा रही माता की प्रतिमा को यहां साधना कर विराजित किया था। इकसे बाद से यहां उनकी विशेष आरती की जाती है। मंदिर में मां काली के साथ भैरव भगवान की भी मूर्ति स्थापित है।

दिव्य श्रृंगार और तांत्रिक पूजन

बताया जाता है कि, नवरात्र में मां काली की पूजा मैथिली काली पूजा पद्धति से होती है। मंदिर में प्रतिदिन सुबह सवा पांच बजे और शाम सवा सात बजे माता की आरती होगी। वहीं अष्टमी-नवमी की रात विशेष महा आरती का आयोजन किया जाता हैं। नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन माता को विशेष भोग अर्पित किया जाता है। अष्टमी के दिन महा निशाकाल में रात 12:00 बजे विशेष आरती और पूजा की जाएगी। बता दें कि, मंदिर में प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। जहां माता का दिव्य श्रृंगार भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कहते हैं यहां काली मां के दर्शन कर लेने मात्र से सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।

मोदी ज्वेलर्स की दुकान थी निशाने पर

डकैती की योजना बना रहे बदमाशों को टीटी नगर पुलिस ने दबोचा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पंचशील नगर स्थित मोदी ज्वेलर्स पर डाका डालने की योजना बना रहे सात बदमाशों को टीटी नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में पांच बदमाश वे भी हैं, जिन्होंने दो दिन पहले एक युवक पर जानलेवा हमला किया था। अगले ही दिन इनमें से दो ने एक युवक के हाथ से मोबाइल फोन लूट लिया था।

ज्वेलर्स शॉप पर डकैती का मकसद पुराने आपराधिक मामलों में जमानत का इंतजाम करना और फरारी के दौरान आने वाले खर्च की व्यवस्था करना था। पुलिस ने जब दबिश दी तो आरोपी इधर-उधर भागने लगे, इसलिए गिरकर जख्मी भी हो गए।

टीआई सुधीर अरजरिया ने बताया कि त्योहारों की व्यवस्था के मद्देनजर 30 मार्च को इलाके में गश्त के दौरान पता चला कि प्लेटिनम प्लाजा के पीछे पानी की टंकी के पास कुछ लोग हथियार लिए बैठे हैं। एसआई राघवेंद्र सिंह और नर्मदा प्रसाद टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी शुरू की। यहां सात बदमाश बैठे थे और पंचशील नगर में मोदी ज्वेलर्स के यहां डकैती डालकर बड़ा हाथ मारने की बातें करते सुनाई दिए।

तभी बदमाशों की नजर पुलिस पर पड़ी और वे भागने लगे। टीम ने सभी को दबोच लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से एक लोहे की रॉड, एक लोहे का पाइप, चाकू, तीन छुरी, एक तलवार, एक डंडा, एक बाइक और एक मोबाइल फोन जब्त किया है। पकड़े गए आरोपियों में संतोष उर्फ कालू लोधे, उमेश चौहान, सनी चौहान, आदित्य उर्फ आदी चौहान, आनंद चौहान, मोनू चौहान और सावन ठाकुर शामिल हैं। सभी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी है। टीआई ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में उमेश चौहान और आनंद चौहान ने 29 मार्च को ही अभिनय सिंह का मोबाइल लूट लिया था। रास्ते में उन्हें कपिल यादव नजर आया तो आरोपियों ने यह बात अपने दोस्तों को बताई। इसके बाद उमेश, आनंद ने आदित्य चौहान, मोनू चौहान और सावन के साथ मिलकर रंजिश के कारण अर्जुन नगर के पास कपिल पर हमला कर दिया। हमले से कपिल को गंभीर चोट आई है।

भोपाल में आज से प्रॉपर्टी खरीदना महंगा

1312 लोकेशन पर औसत 11 प्रतिशत बढ़ी गाइडलाइन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल में आज (1 अप्रैल) से प्रॉपर्टी खरीदना महंगा हो गया है। कुल 1312 लोकेशन पर कलेक्टर गाइडलाइन औसत 11 प्रतिशत तक बढ़ गई है। यानी, अब प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री कराने पर लोगों को ज्यादा राशि चुकाना पड़ेगी। विरोध और दावे-आपत्ति के बाद प्रस्तावित गाइडलाइन में 7त्न की कमी की गई थी।

इससे पहले 31 मार्च को एक दिन में रिकॉर्ड 1560 रजिस्ट्री हुई। जिससे सरकार को 48 करोड़ रुपए की आय हुई। देर रात तक रजिस्ट्री का सिलसिला चलता रहा।

27 मार्च को जिला मूल्यांकन समिति की बैठक हुई थी। इसमें भोपाल समेत 12 जिलों के पिछले 5 साल के आंकड़े दिखाकर गाइडलाइन फाइनल कर दी गई थी। इसी दिन इसे केंद्रीय मूल्यांकन कमेटी को भेज दिया गया था और फिर उसे मंजूरी मिल गई थी। इससे पहले सोमवार देर रात तक रजिस्ट्री करवाने का दौर चलता रहा। कई लोगों ने पुराने रेट पर रजिस्ट्री करवाई।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर, 6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195, आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल। मोबाईल नं. 9827054436।